

Shraddha Kapoor  
Arjun Kapoor...

# जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में बीएड नामांकन में धांधली का आरोप

ANAND MISHRA @ JSR :

शहर स्थित जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी कभी संविदा शिक्षकों की नियुक्ति, तो कभी एडमिशन में रोस्टर नियमों की अनदेखी को लेकर सुर्खियों में रही है। इस बार यूनिवर्सिटी में बीएड सत्र 2024-26 में ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से एडमिशन में आरक्षण नियमों की अनदेखी का मामला प्रकाश में आया है। एक-एक सीट के एवज में अस्वी-खासी रकम लेकर दखिला लेने का आरोप लगाया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर प्रभावित छात्राएं एवं उनके अभिभावक आंदोलित हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी में जमकर हंगामा मचाया। विरोध दर्ज कराया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन के पास इन सवालियों का कोई जवाब नहीं है। छात्र आजसू के नेता हेमंत पाठक का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन खुलेआम आरक्षण से खिलवाड़ कर रहा है। इसके खिलाफ राजभवन से लेकर एनसीटीई तक से शिकायत की जाएगी।

## लाखों रुपये रिश्वत लेकर बेच दी गई कोटे की सीट, विवि प्रशासन खुलेआम आरक्षण के नियमों के साथ कर रहा खिलवाड़

### राजभवन से लेकर एनसीटीई तक से शिकायत की तैयारी, मामले को लेकर प्रभावित छात्राएं व उनके अभिभावक आंदोलित



सात सीटों पर एडमिशन के लिए यूनिवर्सिटी को उपलब्ध कराया गया था रोस्टर

एडमिशन लिस्ट में बीसी-1 और बीसी-2 कैटेगरी को कर दिया गया है मर्ज

#### बीसी-2 की पांच सीटों का वया हुआ

इसके बाद से बीसी-2 कैटेगरी की आवेदक (छात्राएं) एवं उनके अभिभावक आंदोलित हैं। उनका कहना है कि इस कैटेगरी की पांच सीटों का वया हुआ। यूनिवर्सिटी प्रशासन के पास इसका जवाब नहीं है।

**सीट बेचने का आरोप** : दूसरी ओर छात्र आजसू के नेता हेमंत पाठक का आरोप है कि रोस्टर की अनदेखी के साथ ही, एडमिशन में अस्वी-खासी राशि के लेनदेन होने की आशंका है। यही वजह है कि बीसी-1 और बीसी-2 की सीटों को मर्ज कर दिया गया है।



#### अधिकारियों की सलाह पर बनी सूची

बीसी-1 कोटा के तहत उक्त दोनों कैटेगरी को मर्ज कर सूची तैयार किए जाने के संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई कुछ बताने को तैयार नहीं है। वहीं सूत्र बताते हैं कि बीएड की एडमिशन कमेटी में कुछ वैशेष शिक्षकों

#### सेंट्रलाइज परीक्षा का किया गया था आयोजन

पिछले ही वर्षों की तरह इस बार भी राज्य में स्थित सभी कॉलेज के बीएड कॉलेजों में एडमिशन के लिए झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद (जेएससीईबी) की ओर से सेंट्रलाइज परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के परिणाम के आधार पर काउंसिलिंग की गई। चार राउंड की काउंसिलिंग के बाद,

राज्य के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में बीएड की कई सीटें खाली रह गईं। इसके बाद परिषद की ओर से यूनिवर्सिटी एवं कॉलेजों को पांचवें राउंड में ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से एडमिशन लेने का निर्देश देते हुए सीटों की संख्या के अनुरूप में नियमानुसार रोस्टर उपलब्ध कराया गया था।

#### वया है मामला

चार राउंड की काउंसिलिंग के बाद भी बीएड की सीटें खाली रह जाने के बाद पांचवें राउंड में ओपन काउंसिलिंग हुई। इस राउंड में जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में जेनरल व अन्य कैटेगरी के अलावा ओबीसी कोटा के तहत बीसी-1 की दो और बीसी-2 की पांच सीटें खाली थीं। इसी के अनुरूप जेसीईसीईबी की ओर से इन दोनों कैटेगरी की कुल सात सीटों पर एडमिशन के लिए रोस्टर यूनिवर्सिटी को उपलब्ध कराया गया था। बावजूद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसकी अनदेखी करते हुए इस कैटेगरी में छह सीटों के लिए ही उम्मीदवारों की सूची जारी की। सूची में शामिल सभी छह उम्मीदवार ओबीसी कैटेगरी के हैं। सूची में बीसी-1 और बीसी-2 का उल्लेख ही नहीं है। इस तरह इन दोनों कैटेगरी को मर्ज कर दिया गया है।

#### सवालियों का जवाब नहीं दे रहा विवि

द फोटोन न्यूज के पास भेरे गए लिस्ट की प्रति है। इसमें साफ पता चलता है कि बीसी-1 और बीसी-2 को अलग-अलग सीट आवंटित नहीं की गई है। इस संबंध में कुलपति डॉ. अंजिता गुप्ता से पक्ष लेने का प्रयास किया गया। विवि प्रशासन के खिलाफ लगा रहे आरोपों पर पक्ष लेने के लिए वाट्सएप मैसेज भी भेजा गया। खबर

लिखे जाने तक उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस मामले में यूनिवर्सिटी के प्रिन्सिपल सह प्रवक्ता डॉ. सुधीर कुमार साहू से उनके मोबाइल पर पक्ष लेने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके अलावा उनके वाट्सएप पर भी संदेश भेजकर यूनिवर्सिटी का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

SHARE	
सेंसेक्स	: 79,802.79
निफ्टी	: 24,131.10
SARAFI	
सोना	: 7,330
चांदी	: 100.00

(नोट : सोना 22 केरेट प्रति ग्राम)

#### BRIEF NEWS

#### सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा

**NEW DELHI** : सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। एचटीएस ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री टिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रुख, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक हमला किया।

#### संभल हिंसा : मारे गए लोगों को 5-5 लाख दंडे अखिलेश

**SAMBHAL** : संभल में हुई हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार वालों को समाजवादी पार्टी 5-5 लाख रुपए देगी। इसे लेकर सपा ने पर पोरट भी किया। मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा ने कहा- हमारी युपी सरकार से मांग है कि हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए दे। दरअसल, संभल हिंसा का 7वां दिन है। यहां के हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे, लेकिन तखनऊ में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। शुक्रवार रात सपा ने एक डेलिगेशन संभल भेजने का ऐलान कर दिया। डेलिगेशन में माता प्रसाद पांडेय समेत 5 सांसद और 4 विधायक शामिल थे। इसके तुरंत बाद देर रात को संभल में डीएम ने धारा-163 लागू कर दी है। यानी, अब 5 लोग बिना अनुमति के इवेंट्स नहीं हो सकेंगे।

## 90 किमी रही हवा की रफ्तार, स्कूल-कॉलेज बंद, एक की मौत

# तमिलनाडु-पुडुचेरी से टकराया 'फेंगल', झारखंड में भी असर

PHOTON NEWS TEAM :

शनिवार को देर शाम में बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। इसका असर कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी दिख रहा है। तमिलनाडु में लैंडफॉल के दौरान 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने लगी। शनिवार को झारखंड में सुबह से ही मौसम पर इसका असर दिखाई दे रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई में भारी बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया है। एक एटीएम के पास शॉर्ट सर्किट के चलते करंट लगने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई। शहर में कई फ्लाइंग प्रभावित भी हुई हैं। शाम 7 बजे तक एयरपोर्ट बंद को कर दिया गया। कई ट्रेनों भी अपने तब समय से लेट चल रही हैं। तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंनाय, तिरुवल्लूर, कुड्डलार, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिचो,

## रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 7 टीमें तैनात

- चेन्नई में भारी बारिश के कारण सड़कों पर भर गया पानी
- कई फ्लाइंग प्रभावित तब समय से लेट चल रही हैं ट्रेनें



## राज्य का पारा फिसला, बढ़ेगी कनकनी

शनिवार को सुबह से ही रांची सहित झारखंड के अन्य इलाकों में बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात सिगल का असर दिखाई देने लगा। धूप बहुत धीमी रही। पारा फिसला। अभी ठंड का एहसास अधिक नहीं है। बाद में कनकनी और बढ़ेगी। रांची मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि फेंगल का असर

अगले 3-4 दिनों तक बना रहेगा। मौसम केंद्र रांची के प्रमुख अभिषेक आनंद ने बताया कि फेंगल चक्रवात, जिसे फेंजल भी कहा जा रहा है, शनिवार को देर शाम दक्षिण भारत के कराईकल और महाबलीपुरम को पार किया। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर तक रही। उन्होंने बताया

## आज सुबह में छाई रहेगी धुंध

मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, रविवार को झारखंड में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा। इसके बाद आंशिक बादल छाए रहेंगे। दक्षिणी हिस्से यानी कोल्हाण प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरखावा और सिमडेगा जिले में कहीं-कहीं वर्षा होगी। इसके अलावा शेष भाग में मौसम शुष्क रहने में अनुमान है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक उच्चतम तापमान गोड्डा में और सबसे कम न्यूनतम तापमान हजारीबाग में दर्ज किया गया। गोड्डा का उच्चतम तापमान 29.4 डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया।

चेन्नई और मयिलादुथुराई जिलों और पुडुचेरी में शनिवार को स्कूल-

कॉलेज बंद रखे गए थे। इन जिलों में लोगों को भी घर से बाहर न निकलने

की सलाह दी गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तमिलनाडु में एनडीआरएफ

की 7 टीमें तैनात की गई हैं। हर एक टीम में 30 जवान रखे गए हैं।

## वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने जनसभा में कहा लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन नहीं करती बीजेपी

AGENCY KOZHIKODE :

चुनावी जीत के बाद पहली बार केरल के दो-दिवसीय दौरे पर पहुंची वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को आरोप लगाया कि बीजेपी अपने राजनीतिक हमलों में किसी भी नियम या लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन नहीं करती है। प्रियंका ने भाजपा के व्यवहार की तुलना जुलाई में वायनाड में हुए भूखलन से की और कहा कि प्राकृतिक आपदा की तरह भाजपा



का आचरण किसी नियम और किसी लोकतांत्रिक मानदंड का पालन नहीं करता, जिनका आमतौर पर राजनीतिक लड़ाई में पालन किया जाता है।

## सुप्रीम कोर्ट की शरण में पहुंचे रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री

**RANCHI** : रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें चुनावी कार्य से अलग रखने का आदेश दिया गया था। भजंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय में एपसलपी दायित्व की है। रांची डीसी ने अपनी याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से उस आदेश को रद्द करने की मांग की है। बता दें कि फिलहाल मंजूनाथ भजंत्री की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। बता दें कि 22 सितंबर को मंजूनाथ भजंत्री को विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने और उन्हें चुनावी कार्य से अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार गई थी। विधानसभा चुनाव को लेकर लामू आचार संहिता के दौरान उन्हें आनन-फानन में रांची डीसी के पद से हटाया गया था।

## संचालक और एक महिला पर इस घटना को अंजाम देने का लगा है आरोप पलामू बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण

PHOTON NEWS PLAMU :

जिला की बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण कसम सनीखेज मामला सामने आया है। यौन शोषण का आरोप बालिका गृह के एक संचालक और एक महिला कर्मि पर लगा है। इस मामले में पॉक्सो समेत कई गंभीर धाराओं में एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बालिका गृह में यौन शोषण की शिकार एक नाबालिग पीड़िता है। पलामू में बालिका गृह का संचालन सुदना के इलाके में होता है। फिलहाल पलामू



बालिका गृह में 28 बच्चियां हैं। बताया जाता है कि शुक्रवार को कुछ मानवाधिकार कार्यकर्ता बालिका गृह गए थे। इसी दौरान यह मामला निकलकर सामने आया कि दो लड़कियों के साथ

## दो लोगों को किया गया गिरफ्तार

पलामू एसपी रीष्मा श्येन ने बताया कि लड़कियों ने यौन शोषण के बारे में जानकारी दी है। पूरे मामले में पॉक्सो समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा रही है। पूछताछ के दौरान कई बातों की जानकारी मिली है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौके से दो लोगों को

गिरफ्तार भी किया गया है। मानवाधिकार कार्यकर्ता संस्था सिन्हा ने बताया कि वह जांच के लिए गई थी तो दो लड़कियों ने उन्हें बताया था कि उनके साथ गलत हुआ है। एक लड़की ने बताया कि छठ एंव दीपावली के दौरान वह लोग सवालक के घर गए थे, जहां उसके साथ गलत हुआ है।

यौन शोषण की घटना हुई है। पूरे मामले की जानकारी पलामू पुलिस को मिली थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद एक आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में महिला पुलिस अधिकारियों की

एक टीम बालिका गृह जांच के लिए पहुंची थी। इसी जांच के क्रम में महिला पुलिस अधिकारियों के समक्ष पीड़िताओं ने यौन शोषण की घटना के बारे में जानकारी दी है।

## सरायकेला-खरखावा जिला प्रशासन की ओर से माषा के प्रति लगाव पैदा करने की अजोखी पहल

# सुदूर ग्रामीण इलाकों के 500 बच्चों तक पहुंची दिवशजरी

PHOTON NEWS SARAIKELA :

सरायकेला-खरखावा जिला प्रशासन की ओर से आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत शनिवार को नगर भवन, सरायकेला में एक दिवसीय सेमिनार आकांक्षाएं : विंग्स ऑफ एस्पिरेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान अजोखी पहल करते हुए जिला प्रशासन ने सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 500 बच्चों के बीच दिवशजरी का वितरण किया। कार्यक्रम के जरिए एक तरफ जहां युवा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया वहीं दूसरी तरफ बच्चों में भाषा के प्रति बैठे डर को दूर करते हुए अनुरूप और समझ के सिंहासन बनाने का प्रयास किया गया। दरअसल, वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट में बार-

## नगर भवन सरायकेला में एक दिवसीय सेमिनार आकांक्षाएं : विंग्स ऑफ एस्पिरेशन का आयोजन फिल्मकार रुचिका नेगी की ओर से बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का किया गया प्रदर्शन



बार यह बात सामने आती है कि झारखंड जैसे राज्यों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चे अपनी कक्षा के मापदंड के अनुसार

## उपायुक्त ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों तथा संस्थानों से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं आमजनों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम कॉन्सिडर काउंसिलिंग तक सीमित नहीं होने चाहिए, जीवन के अनुभव तथा आज

के दौर में अपनी दिनचर्या की अनुभूतियों से सीखने तथा समझने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि आज के दौर में टेक्नोलॉजी तथा सोशल मीडिया का सकारात्मक दिशा में उपयोग करें तथा अपने समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना सहयोग करने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने बच्चों के पास पहुंचकर उनसे बात की, उनका हौसला बढ़ाया।

जमीनी स्तर पर पहुंचकर इन समस्याओं को समझने और समाधान का विकल्प तलाशने का प्रयास किया है। इससे पहले

## मणिपुर पुलिस-विधायकों के घर हमला करने वाले 8 उग्रवादी गिरफ्तार

**IMPHAL** : मणिपुर में पुलिस और विधायकों के घर तोड़फोड़ और आमजन की आरोग्य में अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले 16 नवंबर को इफाल वेस्ट के पटसोई पुलिस ने विधायकों के घर आग लगाने के आरोप में एक आरोपी को पकड़ा था। बाकी को 27 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। उधर, मणिपुर में हाल में हुई हिंसक घटनाओं के बाद मैतई संगठन अरामबाई टंगोल के सुप्रीमो कोरो नगना खुमान और कुकी संगठन के प्रमुख एनआईए की रडार पर हैं। एनआईए मणिपुर में सुरक्षा बलों पर हमलों और आईईडी विस्फोट के चार मामलों की जांच कर रही है। इनमें इफाल में फस्ट मणिपुर राइफल्स कैम्प से हथियार और गोला-बारूद की लूट, मोरेह में चौकी पर हमला और बिणुपुर में आईईडी विस्फोट शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने हाल ही में एनआईए को चारों मामलों की जांच करने कहा है।

## पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव ने दी जानकारी हेमंत सरकार में शामिल नहीं होगा भाकपा माले

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को भाकपा (माले)-लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी झारखंड में नवगठित हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री बन नहीं मंगेगी। सोरेन सरकार को उसके हर सही कदम और चुनाव अभियान के दौरान लोगों को दी गई गारंटी को पूरा करने में पूरा समर्थन देगी। दीपांकर भट्टाचार्य ने पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक के बाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। संबोधनताओं से कहा, हमारी पार्टी मंत्रिमंडल में शामिल होकर ही कोई दबाव नहीं डालेगी। हमारे पास सिर्फ दो विधायक हैं।



इसलिए हमें नहीं लगता कि हम ऐसे जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं। जब हमारे पास आठ से दस विधायक हो जाएंगे, तब हम जिम्मेदारी लेंगे। बता दें कि हाल में संपन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में भाकपा (माले)-लिबरेशन ने इंडिया गठबंधन के तहत चार सीट पर चुनाव लड़ा था और दो सीट जीतने में सफल रही।



## मोरनी हिल : एक सुकून भरी यात्रा

कभी-कभी ऐसा लगता है कि जिंदगी की भाग-दौड़ और रोजमर्रा की चिंता से थोड़ी राहत लेनी चाहिए। किसी शांत और सुकून भरी जगह पर जाकर कुछ पल खुद के साथ बिताना चाहिए। ऐसा ही ख्याल मेरे और मेरे दोस्तों के मन में आया और हमने मोरनी हिल जाने का फैसला किया। यह हरियाणा के पंचकुला जिले में है और चंडीगढ़ से सिर्फ 45 किलोमीटर दूर है। यह जगह अपनी खूबसूरती, हरियाली और शांत माहौल के लिए जानी जाती है।

हमने शनिवार की सुबह चंडीगढ़ से अपनी गाड़ी में सफर शुरू किया। सुबह का मौसम बहुत ही प्यारा था- हल्की ठंडी हवा, हल्की धुंध और साफ आसमान। रास्ते में दोनों तरफ ऊंचे-ऊंचे पेड़ और हरी घास देखकर मन खुश हो गया। सफर के दौरान हम दोस्तों ने खूब बातें कीं, गाने गाए और हंसी-मजाक किया। जैसे-जैसे हम मोरनी हिल के करीब पहुंचे, रास्ते घुमावदार होने लगे। हर मोड़ पर ऐसा लगता था कि यहां रुककर फोटो खींचनी चाहिए।

जब हम मोरनी हिल पहुंचे, तो चारों तरफ हरियाली देखकर मन एकदम शांत हो गया। वहां की ठंडी हवा और खूबसूरत नजारे देखकर सारी थकान दूर हो गई। सबसे पहले हमने अपनी गाड़ी पार्क की और टिककर ताल की ओर चल दिए। टिककर ताल वहां की सबसे फेमस झील है। झील का पानी इतना साफ था कि उसमें आसमान और आसपास के पहाड़ों की परछाईं दिख रही थी।

हम झील के किनारे बैठ गए और ठंडी हवा का मजा लेने लगे। वहां का माहौल बहुत शांत और सुकून देने वाला था। कुछ लोग बोटिंग कर रहे थे, तो हमने भी बोटिंग करने की सोची। झील के बीचों-बीच जाकर जो नजारा दिखा, वह वाकई अद्भुत था। चारों तरफ हरियाली और शांत पानी ने मन को बहुत खुश कर दिया।

झील के बाद हमने ट्रेकिंग करने का प्लान बनाया। वहां एक ट्रेकिंग ट्रेल था, जो जंगल के बीच से होकर जाता था।

### युगवक्त्र की पार्टी

सबसे फेमस झील है। झील का पानी इतना साफ था कि उसमें आसमान और आसपास के पहाड़ों की परछाईं दिख रही थी। हम झील के किनारे बैठ गए और ठंडी हवा का मजा लेने लगे। वहां का माहौल बहुत शांत और सुकून देने वाला था। कुछ लोग बोटिंग कर रहे थे, तो हमने भी बोटिंग करने की सोची। झील के बीचों-बीच जाकर जो नजारा दिखा, वह वाकई अद्भुत था। चारों तरफ हरियाली और शांत पानी ने मन को बहुत खुश कर दिया।



### पंचकुला या चंडीगढ़ में भी कर सकते स्टे

मोरनी हिल में टहरने के लिए कई अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं, जो आपकी सुविधा और बजट के अनुसार हैं। यहाँ सरकारी और निजी दोनों तरह के होटल और रिसॉर्ट मिलते हैं। हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा संचालित टिककर ताल के पास का मोरनी रिसॉर्ट एक लोकप्रिय विकल्प है। यह झील के करीब स्थित है और खूबसूरत दृश्यों के साथ साफ-सुथरी और आरामदायक सुविधाएं प्रदान करता है। इसके अलावा,

निजी रिसॉर्ट्स जैसे विस्टा रिसॉर्ट और नर्वर नेचर कैम्प भी पर्यटकों के बीच पसंदीदा हैं। ये जगहें परिवार और दोस्तों के साथ टहरने के लिए उपयुक्त हैं और कई गतिविधियाँ जैसे ट्रेकिंग, कैम्पिंग और बर्ड वॉचिंग का भी आनंद देती हैं। बजट यात्रियों के लिए छोटे गेस्ट हाउस और होमस्टे भी मौजूद हैं। ये स्थानीय लोगों द्वारा संचालित होते हैं और वहाँ आपको घर जैसा माहौल और स्थानीय खाने का स्वाद मिलता है।

### सूर्यास्त का नजारा आनंददायक

मोरनी हिल पक्षी प्रेमियों के लिए भी बहुत खास जगह है। वहाँ हमें कई तरह के पक्षी देखने को मिले। हमने उनकी तस्वीरें खींचीं और उनकी चहचहाहट का मजा लिया। यह अनुभव हमें प्रकृति के ओर भी करीब ले गया। शाम होने लगी, तो हमने वापसी की तैयारी शुरू कर दी। सूरज ढल रहा था और उसकी सुनहरी रोशनी पहाड़ों और

झील पर पड़ रही थी। वह नजारा बहुत ही खूबसूरत लग रहा था। रास्ते में हमने कई बार गाड़ी रोकी और सूर्यास्त का आनंद लिया। घर लौटते वक्त हम दोस्तों ने पूरी यात्रा के अनुभव साझा किए। हर किसी के चेहरे पर एक अलग ही खुशी थी। यह सफर न केवल मजेदार था, बल्कि हमें प्रकृति के करीब ले गया।

लेकिन उसकी दीवारों और संरचना आज भी इतिहास की झलक देती हैं। किले से चारों तरफ का नजारा बहुत सुंदर था। ठंडी हवा के बीच वहाँ खड़े-जैसा लग रहा था। नीचे झील और चारों तरफ फैली हरियाली को देखकर मन को बहुत सुकून मिला। हम थोड़ी देर वहाँ बैठे और बस उस नजारे को देखते रहे।

इसके बाद हमने मोरनी किला देखने की सोची। यह किला पुराने समय का है और अब खंडहर में बदल चुका है, लेकिन उसकी दीवारों और संरचना आज भी इतिहास की झलक देती हैं। किले से चारों तरफ का नजारा बहुत सुंदर था। ठंडी हवा के बीच वहाँ खड़े-जैसा लग रहा था। नीचे झील और चारों तरफ फैली हरियाली को देखकर मन को बहुत सुकून मिला। हम थोड़ी देर वहाँ बैठे और बस उस नजारे को देखते रहे।



**संजय शेखर**  
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियाँ देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।  
2. आप हमें अपनी रचनाएँ, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

हमने अपने छोटे बैग उठाए और ट्रेकिंग के लिए निकल पड़े। रास्ता थोड़ा चढ़ाई वाला था, लेकिन चारों तरफ हरियाली और ठंडी हवा के बीच चलते हुए मजा आ रहा था। रास्ते में तरह-तरह के पेड़, रंगबिरंगे फूल और पक्षी दिखे। कुछ पक्षियों को देखकर तो हम बहुत हैरान थे, क्योंकि हमने उन्हें पहले कभी नहीं

### कविता



**वैतना पाण्डेय**  
कवयित्री/गीतकार  
गोरखपुर

### संसार किसने लिख दिया

प्यार लिखना था जहां अधिकार किसने लिख दिया सिर्फ हम-तुम थे जहां, संसार किसने लिख दिया क्या प्रणय की बात तब जब यंत्रणा हो चांदनी कौन पूछेगा समय से रह गया क्या अनकहा कौन मंत्रोच्चार, कैसे वचन, कैसी वैदिका, प्राण तो टिटके हुए हैं, कौन भाँवर ले रहा चिर विरह का चयन था, अँकवार किसने लिख दिया? यूँ निभाने में लगे कि जी न पाए एक पल सांस, धड़कन,साथ ही थी, किन्तु जीवन लापता कौन सी मधु यामिनी में मुखर होंगी कामना कौन वेणी में टकेंगे फूल, मुझको क्या पता फूल लिखना था जहाँ, अंगार किसने लिख दिया? क्या भला गागर उठाये, कौन सी गति से चले शर्त पनघट ने लगा दी, प्यास उलझी रह गई कामनाएँ थक गई थीं भाव मुरझाने लगे थे स्वप्न निश भर तप रहे थे, रात झुलसी रह गई कूल लिखना था अंगार, मझाधार किसने लिख दिया?

### चित्र प्रदर्शनी



**राज लक्ष्मी श्रीवास्तव**  
वीथीकल्प, लखनऊ

### व्यंग्य ■ बर्बरिक

### नॉटआउट @ हड्डेड



**दिलीप कुमार**

रणांकुरे और वीरगंगाएँ साहित्य के इस महायज्ञ में वीरगति को प्राप्त होने निकल पड़े, वो तराना गा रहे थे आजादी वाला, दुकड़े-दुकड़े गैंग की आजादी वाला नहीं, बल्कि सचमुच की आजादी वाला... 'आओ प्यारे वीरों आओ, साथ में देवियों को भी बुलाओ सर्वस्व लुटाकर अपना तुम, साहित्य की बेदी पे बलि-बलि जाओ' लोगों ने दफनों से छुट्टियाँ लीं, हवाई जहाज और एसी ट्रेन को बुक कराया इस प्रत्याशा में कि मार्ग व्यय तो मिल ही जाएगा। किसी ने हवाई अड्डे से तो किसी ने रेलवे स्टेशन से अपना स्टेटस अपडेट किया कि हम शताब्दी वीर या वीरगंगा मंगवाए। साहित्य के पोडश वपीर्या से उग्र के अंतिम पायदान तक के एप्लीकेशन आ गए। सबको चुनकर बताया गया कि फलां तारीख को आपको शताब्दी स्तर के सम्मान दिए जाएंगे। इतनी उदारता बख्शी गयी कि 21वीं शताब्दी में पैदा हुआ बंदा भी शताब्दी सम्मान के योग्य पाया गया, जबकि वो बन्दा ठीक से बालिंग भी न हुआ था और उसके घरवाले उसे सब्जी लाने के योग्य तक ना समझें हों। लेकिन हिंदी साहित्य की यही उदारता है कि ये सबको अपने में समा लेता है। जिन नौकरीपेशा और साहित्य से बाहर के लोगों को इस सम्मान के लिए गहन परीक्षण के लिए चुना गया।उनसे बताया गया कि गारंटी तो नहीं है, मगर फिर भी उन्हें मार्ग व्यय देने का यथासंभव प्रयास किया जाएगा। अलबता उनका उद्देश्य भोजन और आवास की उत्तम व्यवस्था की जाएगी। तबिलनाडु से लेकर अंडमान तक के



एक बन्द आरा मशीन थी, पुरुषों को वहीं ठहराया गया। जिस फार्महाउस में प्रोग्राम था, पता लगा वो अमिताभ बच्चन का है। सभी महिलाओं के दरी पर लेटने की व्यवस्था थी, सिर्फ लेटने की ही व्यवस्था थी, बाकी व्यवस्थाएँ सभी को खुद करनी थीं, सबने अपने बैग का तकिया बनाया और फिर काकोरी को याद कर कर के वो कयामत की रात काटी। पुरुषों के साथ तो और भी बेहतर हुआ। हमारे देश में पुरुषों के लिए ये लोगों की आम धारणा है कि उन्हें किसी किस्म की देखभाल और सुविधा की जरूरत ही नहीं है, वो जन्म से ही कठोर और कठिन हालातों को झेलने के लिए अभ्यस्त होते ही हैं। सो आरा मशीन पर पटरों को समतल करके जाजिम बिछा दिया गया। एक नए शायर ने खुद को तसल्ली दी, 'आज की रात आँखों में काट ले शबे हिज्र जिंदगी पड़ी है, सो लेना' रात को सभी को सामूहिक पूड़ी-सब्जी का भोज दिया गया, जो पास के किसी मंदिर में हो रहे कीर्तन की बदौलत

उपलब्ध हो गया था। लेकिन शताब्दी के सम्मान यूँ ही नहीं मिला करते, यही सोच कर लोगों ने मच्छरों और भुनगों के शोर के बीच शहादत की वो रात बिताई। लेकिन जहाँ समय ना कटे, वहाँ फेसबुक और मंडली के मित्रों के साथ वक्त आसानी से बीत गया। लोगों के घरवालों के फोन आते रहे कि रहने को कमरा कैसा मिला है, साथ में बाथरूम है या नहीं, स्टेशन पर लेने गाड़ी आयी थी या नहीं, भोजन कैसा मिला है, मीडिया कवरेज मिल रहा है या नहीं, कौन से चैनल पर लाइव आएगा। लेकिन काकोरी की बलिदानी भूमि पर किसी ने उफ तक ना की और ऑल इज वेल का मैसेज घरवालों को भेज दिया। सुबह कार्यक्रम शुरू हुआ, वैसे तो कार्यक्रम तीन घंटे का था, मगर स्थानीय प्रशासन से ना तो इसकी अनुमति ली गयी थी और ना सूचना दी गयी थी और मंदिर के जिस अहाते में ये कार्यक्रम रखा गया था पुरस्कार वितरण का, वहाँ के लोगों को ये सब ना रास आया ना पसन्द। किसी मसखरे ने पुलिस को खबर कर दी और मीडिया वाले भी

इस इवेंट की चिकोटी काटने पहुंच गए। आधे घंटे में कार्यक्रम समाप्त करने का अल्टीमेटम मिल गया। यानी एक मिनट में तीन लोगों को अवार्ड देना था, दे दनादन अवार्ड दिए जाने लगे। लोग न सेल्फी ले पाए और ना ही ग्रुप फोटो। सहवाग की तरह ताबड़तोड़ बैटिंग हुई और आधे घंटे में हड्डेड नॉटआउट का स्कोर हो गया और बैरागी जी अंतर्धान हो गए। मार्ग व्यय की इच्छा वाले लोग उन्हें दूढ़ते रहे। उनके सामने अवार्ड था और एक बड़ा गर्व खोने की अनुभूति, कि रात उन्होंने जिस फार्महाउस को अमिताभ बच्चन का फार्म हाउस समझ कर गर्व किया था, वो फार्महाउस किसी दूसरे का है, अमिताभ का फार्महाउस थोड़ी दूर पर है। थोड़ी देर बाद वो सब एक साथ होकर शताब्दी के अभिनेता के फार्महाउस पर शताब्दी सम्मान के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवा रहे थे। किसी ने पूछा 'कितने साहित्यकार हैं, कितनी फोटो हैं और कितने अवार्ड हैं' किसी मसखरे ने धीरे से कहा 'नॉटआउट @ हड्डेड'



BRIEF NEWS

बरवाअड्डा के युवक की आंध्रप्रदेश में मौत

**DHANBAD :** धनबाद जिला के बरवाअड्डा निवासी युवक की आंध्रप्रदेश में मौत हो गई। सिंदरी स्थित आसनबनी-1 पंचायत के खंडेरी (बिराजपुर) निवासी टिकू राय के पुत्र दीपक राय (20) एक वर्ष पूर्व नौकरी करने आंध्रप्रदेश गया था। परिवार की स्थिति को देखते हुए भाजपा नेता धर्मजीत सिंह आंध्रप्रदेश से शव लाने में सहयोग कर रहे हैं। सहायक श्रमायुक्त, धनबाद से प्रवासी मजदूरों को मिलने वाली मुआवजा राशि दिलाने का प्रयास भी कर रहे हैं।

लिपिक संदीप दुबे के निधन पर डीसी ने जताया शोक

**HAZARIBAG :** अभिलेखागार कार्यालय में कार्यरत लिपिक संदीप कुमार दुबे का शनिवार को इलाज के क्रम में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए उपायुक्त नैन्सी सहाय व उपविभागाध्यक्ष आयुक्त इशितायाक अहमद समेत समाहरणालय के सभी अधिकारियों कर्मियों ने सभाकक्ष में दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। बालू लदे तीन वाहन किए गए जब्त

**DHANBAD :** जिला खनन टास्क फोर्स ने शनिवार सुबह सरावडेला थाना क्षेत्र में बालू लदे तीन वाहन जब्त किए। जिला खनन पदाधिकारी रिदेश राज तिग्गा ने बताया कि शनिवार सुबह लगभग 4:30 बजे खान निरीक्षक विजय करमाली, सुमित प्रसाद व सशस्त्र पुलिस बल के साथ खनन के अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में भोके रॉय मेमोरियल कॉलेज के गेट के पास 3 छोटे मालवाहकों की जांच की गई।

मुख्य सड़क की पुलिया टूटी, हो सकती है दुर्घटना

**MAHUDA :** धनबाद जिला के बाघमारा प्रखंड अंतर्गत हाथुडीह पंचायत के कुमारडीह से छवुटांड पंचायत होते हुए लालबंगला एमएच-32 तक जाने वाली मुख्य सड़क की पुलिया टूट गई है, जहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कुमारडीह के बड़ाटांड जंगल के पास गोलाई में पोसीसी सड़क पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होने दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। गोलार्ड घुमावदार होने के कारण क्षतिग्रस्त पुलिया अचानक सामने आ जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस सड़क से गांव पारजोरिया, नागवा, पाथरगंडिया, लुट्टांडा, कंचनपुर, मंझलाड़ीह, कचर्रा, कुमारडीह, बेलाखोंदा, मधुडीह आदि के लोग गुजरते हैं।

हिंदी साहित्य भारती की स्मारिका का लोकार्पण

**JAMSHEDPUR :** हिंदी साहित्य भारती, प्रदेश इकाई द्वारा शनिवार को भगवान राम के आदर्शों पर आधारित स्मारिका आए अवध श्रीराम का लोकार्पण हुआ। बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. संजय पंकज, वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र व तुलसी भवन के महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी थे। इस दौरान विधायक संस्यू राय का भी संस्था की ओर से अभिनंदन किया गया।

# देसी पिस्टल व बंदूक बनाने के औजार-मशीन भी किए गए बरामद मानगो में मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

**PHOTON NEWS JSR :** जमशेदपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मानगो थाना क्षेत्र के दाईंगुड्डू में संचालित एक मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने आर्म्स पैडलर गोविंद शर्मा और उसके साथी गोपाल साव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के ठिकाने से देसी पिस्टल और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए गए हैं। डीएसपी मुख्यालय-1 भोला प्रसाद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दाईंगुड्डू में अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने खरीदार बनकर गोविंद से संपर्क किया। गोविंद को उसके घर से गिरफ्तार किया गया, जहां से एक देसी पिस्टल और हथियार बनाने के औजार-मशीन व उपकरण बरामद किए गए हैं। जांच में पता चला कि गोविंद हथियार बनाता था, जबकि गोपाल बेचना था। गोपाल ने 45 हजार रुपये में एक व्यक्ति से पिस्टल की डील की थी। गोपाल ने गोविंद से 30 हजार में हथियार खरीदने की बात की थी और एडवांस के रूप में 2 हजार रुपये भी दिए। पुलिस के अनुसार,



बरामद हथियार।

PHOTO NEWS JSR

गोविंद 2018 में भी अवैध हथियार बनाने के आरोप में जेल जा चुका है। इसके अलावा अन्य आपराधिक मामलों में भी उसका नाम सामने आ चुका है। गोपाल भी मारपीट समेत कई मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस फिलहाल उस ग्राहक की तलाश में जुटी है, जिसे यह हथियार बेचा जाना था।

# हजारीबाग में छात्रों से भरा सवारी वाहन पलटा



**PHOTON NEWS HAZARIBAGH :** हजारीबाग-चतरा मार्ग के कटकमसांडी के लखनऊ छलटा मोड़ के पास शनिवार को अनियंत्रित वाहने के चलते से 12 छात्र जखमी हो गए। सभी घायलों को श्रेष्ठ भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया है। बताया गया है कि हजारीबाग शहर के मटवारी स्थित कोचिंग संस्थान में पढ़ने वाले 28 छात्र मटवारी से चतरा के तुमासिन जलप्रपात पिकनिक के लिए जा रहे थे। लखनू छलटा के पास तीखे घुमावदार मोड़ होने के कारण ड्राइवर ने संतुलन खो दिया और गाड़ी सीधे सड़क के नीचे चली गई। वाहन में सवार रवि रंजन टाकुर वहां से कूद गया उसका सिर पत्थर से जा टकराया और वह गंभीर रूप से जखमी हो गया जबकि 11 छात्रों को को चोटें आई हैं। वाहन में सवार संतोष कुमार, सत्यम कुमार और प्रीति कुमारी ने कहा कि ड्राइवर तेज गति से वाहन चल रहा था। इस दौरान वह संतुलन खो बैठा और यह हादसा हुआ। ड्राइवर सुनील का कहना है कि एक-एक सीट पर 5 से 6 छात्र जबरदस्ती बैठ गए थे। उसने काफी मना किया लेकिन वह नहीं माने और मजबूरी में गाड़ी चलाना पड़ा। तेज गाड़ी घुमावदार मोड़ होने के कारण गाड़ी का स्टेरिंग घूम नहीं पाया और गाड़ी सड़क से 10 फीट नीचे चली गई।

# चतरा जिला क्रिकेट लीग का शुभारंभ पिपरवार ने गिद्धौर को किया पराजित

**PHOTON NEWS CHATRA :** जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में शनिवार को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम गिद्धौर में जिला क्रिकेट लीग मैच का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन मैच पिपरवार ए बनाम विवेकानंद गिद्धौर टीम के बीच खेला गया। पिपरवार की टीम में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 7 विकेट खो कर 229 रन बनाए। इसमें अमन ने 65 रन और विकास 58 रन बनाये। विवेकानंद गिद्धौर की ओर से गेंदबाजी करते हुए दीपक ने 2, रिदेश 3, मिथुन 1 और सौरभ 1 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी विवेकानंद गिद्धौर की टीम ने 13.4 ओवर में सभी विकेट खो कर 87 रन ही बनाए। पिपरवार ने विवेकानंद



PHOTON NEWS JSR

फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को आपसी सद्भावना के साथ मैच खेलने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा देश की संपत्ति हैं। खेलकूद से उनकी प्रतिभा में निष्कार आता है। उद्घाटन समारोह में चतरा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिंह, उपाध्यक्ष शुभम सिंह, सचिव मनोच सहाय व अन्य उपस्थित थे।

# रील बनाने के लिए हथियार लहराते दो युवक अरेस्ट

**PALAMU :** सोशल मीडिया पर रील अपलोड करने के लिए हथियार लहराना दो युवकों को भारी पड़ गया। सूचना पर पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार किया और शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। युवकों की पहचान सत्यम कुमार और आर्यन कुमार चौबे के रूप में हुई है। सदर थाना प्रभारी उमर कुमार राय ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली कि डाटलनगंज के बड़गांव का आर्यन चौबे नाम का एक युवक अपने एक दोस्त के साथ पांकी रोड में पोखराहा पीटेल पप के पास हथियार लहराते हुए देखा गया है। सूचना पर टीम गठित कर आर्यन कुमार चौबे को पकड़ा गया। उसके पास से सिक्सर जब्त किया गया। उसके साथ सत्यम कुमार की गिरफ्तारी हुई। एक मोबाइल फोन भी मिला।

# होटल मालिक के घर से 50 लाख की चोरी

**PHOTON NEWS RAMGARH :** शहर के शिवाजी रोड स्थित होटल वेक्स में 8 साल से काम कर रहे स्टाफ ने होटल के मालिक का घर साफ कर दिया। होटल स्टाफ ने लगभग 50 लाख रुपये की संपत्ति की चोरी कर ली। होटल वेक्स के मालिक संजीव चड्ढा के बयान के आधार पर पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। होटल वेक्स चार मंजिला मकान में संचालित होता है। नीचे के दो ताले में होटल और पार्टी हॉल है। उसके ऊपर संजीव चड्ढा का पूरा परिवार रहता है। जिस कमरे में जेवर और नकदी से भरा अलमारी मौजूद था, शांति होटल स्टाफ आकाश धनक ने वहाँ धावा बोला। यह घटना तब हुई जब होटल मालिक पूरे परिवार के साथ एक शादी समारोह में बाहर गए थे। होटल बंद था और स्टाफ के लिए कुछ कमरे खुले हुए थे। इसी खालीपन का फायदा चोर आकाश धनक ने उठाया और 28 नवंबर को उसने इस वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी में आकाश के चुपने और निकालने का वीडियो भी कैद हुआ है। वह दूसरे घर से होकर संजीव

कार्बन फैक्ट्री में काम कराने के लिए बच्चों की तस्करी का आरोपी अरेस्ट

**PALAMU :** जिले के मनातू के 9 बच्चों को तस्करी कर पंजाब की कार्बन फैक्ट्री में ले जाया जा रहा था। रेलवे सुरक्षा बल ने कार्रवाई करते हुए सभी नाबालिग बच्चों को मुक्त करवाया एवं तस्करी के आरोप में एक नाबालिग को गिरफ्तार भी कर लिया है। पूरे मामले में पलामू की एंटी ड्रूग्स ट्रैफिकिंग यूनिट (अहातू) ने थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। रेलवे सुरक्षा बल को सूचना मिली थी कि डाटलनगंज रेलवे स्टेशन पर कुछ बच्चों को तस्करी के लिए लाया गया है। सूचना के मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची और यहां पूछताछ की तो पता चला कि 9 बच्चों की तस्करी की जा रही है। जबकि तीन बालिग भी अलग से मौके पर मौजूद थे। पूछताछ में मालूम हुआ कि इन सभी को पंजाब के होशियारपुर भेजा जा रहा था। बच्चों की तस्करी के आरोप में मौके से 17 वर्ष के एक अन्य नाबालिग को भी गिरफ्तार किया गया है।

# अनियंत्रित पिकअप ने मचाया कहर, ऑटो सवार की गई जान



**PHOTON NEWS JSR :** परसुडीह के चार खंबा चौर पर शनिवार देर शाम तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक बार फिर जान ले ली। एक अनियंत्रित पिकअप वैन ने पहले सामने से आ रहे ऑटो को टक्कर मारी और फिर स्कूटी सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ऑटो सवार पोटका निवासी गोपाल महाली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कूटी चालक कर्नडीह निवासी बाजल हांसदा समेत अन्य लोग घायल हो गए। गोपाल महाली मजदूरी करता था। वह काम खत्म कर ऑटो से घर लौट रहा था। पिकअप वैन ने ऑटो को साइड से

टक्कर मारी, जिससे ऑटो के किनारे बैठे गोपाल वैन की चपेट में आ गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्कूटी चालक बाजल हांसदा टाटा स्टील में टेका कर्मि है। बाजल ड्यूटी से घर लौट रहा था। पिकअप वैन ने भागने के दौरान उसकी स्कूटी को भी टक्कर मार दी। स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पिकअप चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।



पुलिस के अनुसार, आकाश धनक 8 साल तक होटल वेक्स का स्टाफ रहा। तीन महीने पहले उसने अपनी नौकरी छोड़ी और घर चला गया लेकिन उसकी पूरी नजर होटल पर ही थी। होटल मालिक का पूरा परिवार कब बाहर जाने वाला था, इसकी जानकारी भी वह होटल स्टाफ से फोन कर ले रहा था। उसे पता चल गया था कि संजीव चड्ढा अपने पूरे परिवार के साथ शादी में शामिल होने के लिए चार दिनों तक बाहर रहेंगे। होटल के बगल के मकान में भी शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। लोगों की भीड़भाड़ का फायदा आकाश को मिला। वह दूसरे घर से होकर संजीव

गए थे, वह गायब थे। सीसीटीवी को खंगाला तो अलग ही एंगल नजर आया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने आसपास के घरों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी को खंगाला। इस दौरान उन्हें आकाश धनक का चेहरा नजर आया जो 3 महीने पहले ही उनकी नौकरी छोड़कर अपने गांव मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत मोती नगर थाना क्षेत्र के संत कबीर दास नगर लौट गया था। उन्होंने देखा कि वह उनके पड़ोसी के घर में घुस रहा है और छत के रास्ते से बैग लेकर भाग रहा है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आकाश धनक लगातार होटल स्टाफ गोपाल कुमार के संपर्क में था। वह उसे वीडियो कॉल करके पूछताछ करता रहता था। इस दौरान वह अक्सर होटल के व्यापार और मालिकों की मौजूदगी की जानकारी जुटाता रहता था। घर के सभी सदस्यों की जानकारी फोन पर स्टाफ के माध्यम से लेता रहता था रामगढ़ थाने में पुलिस ने संजीव चड्ढा के बयान पर कांड संख्या 370/24 दर्ज किया है।

# स्टोन माइंस में फायरिंग, सुजीत सिन्हा गिरोह के पांच गुर्गे अरेस्ट

**PHOTON NEWS PALAMU :** पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के चांदो में एक स्टोन माइंस पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग कर भाग रहे अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने चार हथियारों को जब्त कर लिया है। सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े गिरफ्तार अपराधियों ने बीते दिनों पहले रांची के साथ-साथ ओरमांडी में भी फायरिंग की थी। घटना शनिवार अहले सुबह की है, जब दो बाइक पर सवार पांच अपराधी स्टोन माइंस पहुंचे। जहां ओरमांडी में भी फायरिंग की घटना में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चार हथियारों को जब्त कर लिया है। कहा कि गिरफ्तार अपराधियों की रांची के साथ-साथ ओरमांडी में भी फायरिंग की घटना में संलिप्तता रही है। इस मामले की जांच रांची एटीएस कर रही है। इनसे रांची एटीएस की टीम भी पूछताछ करेगी कि कहां घटना के बाद चैनपुर थाना की पुलिस इलाके में सर्च अभियान चला रही है।



फायरिंग में इस्तेमाल किए गए चार हथियारों को जब्त कर लिया। इस संबंध में एसपी रिम्पा रमेशन ने बताया कि माइंस में फायरिंग की घटना में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चार हथियारों को जब्त कर लिया है। कहा कि गिरफ्तार अपराधियों की रांची के साथ-साथ ओरमांडी में भी फायरिंग की घटना में संलिप्तता रही है। इस मामले की जांच रांची एटीएस कर रही है। इनसे रांची एटीएस की टीम भी पूछताछ करेगी कि कहां घटना के बाद चैनपुर थाना की पुलिस इलाके में सर्च अभियान चला रही है।

# पेज-1 का शेष

# सुदूर ग्रामीण इलाकों...

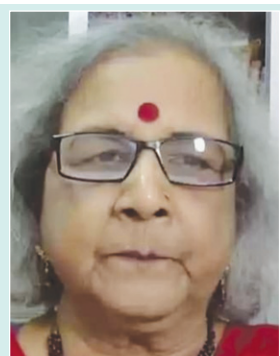
इस दौरान रुचिका नेगी एवं चंद्रहास चौधरी द्वारा हमारे बीच में एक सवाद, रीना हांसदा एवं संजय झा द्वारा शिक्षा और प्रशासन के बीच चुनौतियों का सामना, रामचंद्र सोय, राजनकुमारी प्रधान, धर्मेश उराव, बसंती हेमब्रम, सोमवारी मुंडा, अरुण सोय तथा चंद्रहास चौधरी, संजय कच्छ्य आदि द्वारा झारखंड में युवाओं के लिए अवसर और चुनौतियां तथा रमेश कार्तिक नायक, हंसराज सोवेंद्र शेखर द्वारा नए लिखना क्यों शुरू किया विषय पर वक्तव्य उचित रूप युवाओं को भविष्य में रुचि के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ाने, शिक्षा के बीच आने वाली चुनौतियों से सकारात्मक सोच के साथ आगे निकल कर अपना लक्ष्य प्राप्त करने, विकसित समाज में महिला शिक्षा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण आदि के बारे में जानकारी देकर प्रेरित किया गया। इस दौरान फिल्मकार रुचिका नेगी की ओर से बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन हुआ। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि- फिल्म निर्माण के क्षेत्र में बेहतर युवाओं के लिए बेहतर अवसर हैं। युवाओं को

वाहिए कि वे व्यवसायिक दबाव से मुक्त होकर फिल्में बनाए और अपनी फिल्मों में वो दिखाएँ, जो आप कहना चाहते हैं। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग सत्र के माध्यम से पैनलिस्ट के द्वारा आज के दौर में सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग, डॉक्यूमेंट्री निर्माण, जातिगत भावना को दूर कर मित्रता पूर्ण व्यवहार रखने, अपने समाज तथा राष्ट्र के विकास में आगे आकर अपना योगदान देने तथा समाज में महिला विकास तथा महिलाओं को शिक्षित करने की आवश्यकता को बढ़ाने आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस क्रम में सत्रवार प्रश्नोत्तरी का आयोजन कर छात्र-छात्राओं की शंका-दुविधा को दूर किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायात, उपविभागाध्यक्ष प्रभात कुमार बरदियार, निदेशक डीआरडीए डॉ. अजय तिर्की, सहायक समाह्वानी कुमार रात, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला, जिला योजना पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं अन्य संबधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# संगोष्ठी का आयोजन : यहूदी मूल के जर्मन भाषी लेखक काफ़्का दोनों समाज से रहे अजनबी

# सृजन संवाद की गोष्ठी में छाईं रहीं फ्रेंज काफ़्का की प्रेमिकाएं

**PHOTON NEWS JSR :** 'सृजन संवाद' साहित्य, सिनेमा एवं कला को समर्पित संस्था की 143वीं संगोष्ठी प्रसिद्ध लेखक फ्रेंज काफ़्का को समर्पित रही। संगोष्ठी का स्ट्रीमयार्ड तथा फेसबुक लाइव भी किया गया। 29 नवंबर को शाम 5 बजे से काफ़्का की प्रेमिकाएं पर सवा घंटे तक बात हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से काफ़्का की चार प्रेमिकाओं पर बात हुई। वार्ता के लिए दो विशेषज्ञ डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा व डॉ. याहिया इब्राहिम उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय शर्मा ने किया। स्ट्रीमयार्ड का संचालन गोरखपुर से अनुराग रंजन ने किया। डॉ. विजय शर्मा ने विषय प्रवेश करते हुए वक्ताओं तथा फेसबुक लाइव के श्रोताओं-दर्शकों का



डॉ. विजय शर्मा

स्वागत किया। अब तक सृजन संवाद ने कई साहित्यकारों पर कार्यक्रम किए हैं, जिनमें अलका सरावगी, गरिमा श्रीवास्तव, सुप्रिया पाठक, प्रयाग शुक्ल, नासिरा शर्मा, अनामिका शर्मा, सारंग उपाध्याय, ओमा शर्मा, अमृता बेरा, प्रज्ञा रोहिणी, ओम निश्रल, शांति नायर

# 100 साल बाद भी प्रासंगिक हैं रचनाएं

जमशेदपुर स्थित करीम सिटी कॉलेज के इंग्लिश विभाग प्रमुख डॉ. याहिया इब्राहिम ने पहले वक्ता के रूप में काफ़्का का विस्तार से परिचय दिया। उन्होंने बताया कि काफ़्का अपनी रचनाओं को नष्ट कर देना चाहता था, मगर 3 जून 1942 में उसके गुजरने के बाद उसके दोस्त मेवस ब्रॉड ने उसकी रचनाओं को प्रकाशित कराया और साहित्य भंडार में इजाजत किया। उसके जाने के 100 साल बाद भी वह रिलेवंट है, समकालीन है। वह हमें दिखाता है कि सत्ताधारी, चाहे वो ऑफिसर हो या न्यायाधीश, पिता के सामने कैसे बेबस हो जाता है। वह अस्तित्व संबंधी बेवेनिया पैदा करता है। वह पाठक को बेवेन करता है, साथ ही राहत भी देता है। व्यक्तिगत हानि, इंसानी मन की नाजुकता, एक अद्भुत संसार रचता है। उसके अडुपेर उपास्य, उसके पत्र, डायरिया, कथाओं जटिल, डार्क दुनिया सामने लाती है।

# विवारों को लिपिबद्ध करें वक्ता

डॉ. विजय शर्मा ने वक्ताओं की प्रमुख बातों को रेखांकित करते हुए वक्ताओं, पोस्टर निर्माता तमय सैलेंकी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, स्ट्रीमयार्ड के लिंक बनाने वाले वैभव मणि त्रिपाठी, स्ट्रीमयार्ड संचालक अनुराग रंजन का धन्यवाद ज्ञापन किया। वक्ताओं से आग्रह किया गया, वे अपनी टिप्पणी-विवारों को लिपिबद्ध करें, ताकि 'सृजन संवाद' प्लेट पर गोष्ठी की प्रमुख बातों का दस्तावेजीकरण हो सके। 143वें सृजन संवाद कार्यक्रम में सृजन संवाद फेसबुक लाइव माध्यम से देशभर से सिने-समीक्षक मन मोहन चड्ढा, जमशेदपुर से डॉ. मीनू खेत, डॉ. क्षमा त्रिपाठी, आभा विश्वकर्मा, रांची से 'सायबरी वाया भोगपुरी' फेस के वैभव मणि त्रिपाठी, बैंगलुरु से परमानंद रमण, दिल्ली से आशीष कुमार सिंह, गोमिया से प्रमोद कुमार बर्गवाल आदि जुड़े।

वर्धा, महाराष्ट्र गांधी हिंदी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, साहित्य-सिनेमा पर कलम चलाने वाले डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा की मुख्य रूप से फ्रेंज काफ़्का की चार प्रेमिकाओं पर अपनी बात केन्द्रित की। काफ़्का के जीवन में कई स्त्रियाँ आईं। इनमें से



## विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है. हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं. हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है. आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगे तो चलिए जानते हैं।  
 इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.  
 क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियंस ने बनाया था.  
 इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्थापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनाशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.  
 आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में

शहीद हुए 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.  
 क्या आप जानते हैं इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सैनिकों के नाम अंकित हैं.  
 इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्थापित किया गया था.  
 क्या आप जानते हैं इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कर्नॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.  
 इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टों के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते हैं.  
 शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनीयों से इसे जगमगा दिया जाता है. जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.  
 आप इस स्मारक के पास से राष्ट्रपति भवन को भी निहार सकते हैं.

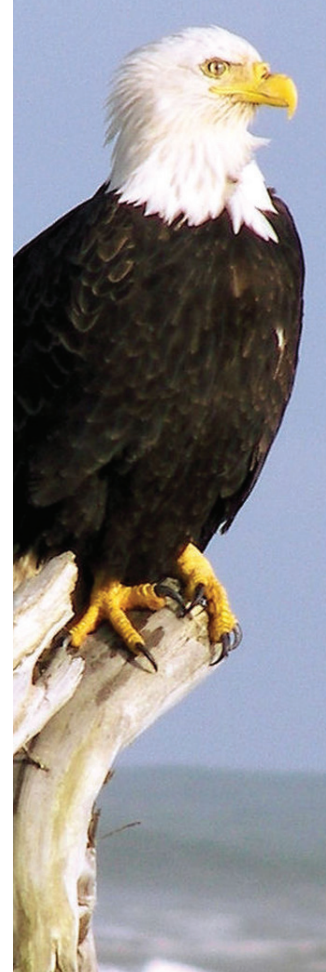
## अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती। एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं। दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहाँ चली गई? उसे ढूँढ़ने जा रहा हूँ। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा। शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूँ। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरुद पक गए होंगे, तो मुझे बताना। मछली उड़ी और अमरुद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरुद पक चुके हैं। मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहाँ जा रही हो? मछली बोली, अब थक गई हूँ। पानी में तैरने जा रही हूँ। सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा? मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब? सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों? मछली सोच में पड़ गई। सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुह! मैं नदी में तैरने जा रही हूँ। शाम तक बाहर नहीं आऊँगी। बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलो के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था। दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहाँ चली गई। मैं उसे ढूँढ़ने जा रहा हूँ। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया। रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरुद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरुद खा आती हूँ। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तेरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुँची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया। सुबह हुई, तो सभ्य ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहाँ हैं? चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता? बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया। किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूँगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहाँ जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूँगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वही मछली अब उड़ नहीं पाती है।



बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भाँति जानते होंगे. बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.



बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.  
 बाज एक मांसाहारी पक्षी है.  
 यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते हैं.  
 बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएँ हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.  
 यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियाँ अभी तक खोजी जा चुकी हैं.  
 यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.  
 क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है. क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.  
 बाज मांसाहारी जीवों की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.  
 बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.  
 बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ, लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने हैं.  
 बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखों लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है. इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.  
 बाज के पसंदीदा शिकारों में चिड़िया, कबूतर, चूहा व बतख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.  
 बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है  
 क्या आप जानते हैं बाज की अब

## आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है. एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आँखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है. बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.  
 बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोंच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोंच के दोनों तरफ एक छोटा दाँत बाहर निकला हुआ होता है. यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते हैं. और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते हैं तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते हैं जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है. बाज अपने से दोगुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़



तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.  
 अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकीले पंखों और पेट पर सफेद एवं काले धब्बों से पहचाना जा सकता है.  
 आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशों को रोकने के लिए घुमनु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.  
 जंगलों में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे-छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.  
 बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्कटिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.  
 बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.  
 मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं  
 क्या आप जानते हैं एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.  
 जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता है यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता है.  
 बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तौर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

## अजीब है कस्तूरी बैल

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन दुर्ग प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियाँ होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेसड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति कर्नेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।  
 दिखता है याक जैसा यदि आप इसे दूर से देखें तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में टंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।  
 विशालकाय शरीर इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे, चोड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और



## प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 चित्रों की गति ही देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि वे कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

## 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेंसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

## पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल मले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अबसर झूंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

### नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।





## How Jharkhand defied the BJP's dominance

PEOPLE from India's margins — indeed, its original inhabitants, the adivasis of Jharkhand, have scripted a resounding victory for their identity and rights in the recently concluded state Assembly elections. A majority of the state's electorate was among the world's poorest people, bearing diverse tribal identities of the Mundas, Oraons and Santhals, combined with marginalised Hindu castes and religious minority Muslims. This diverse electorate reshaped the political arena, bringing back to power a coalition, led by the Jharkhand Mukti Morcha and its Chief Minister Hemant Soren and its partners, the Indian National Congress, the RJD and the CPI(ML). The coalition won a decisive victory with 56 seats in the 81-member Assembly, with the JMM having the largest share of 34 seats. Acting in tandem, the coalition partners INC notched up 16 seats, the RJD four seats and the CPI(ML) two seats. The big significance of this outcome has been noted in the ability of small people to stand up to the power of the national giants — the BJP, led by the Prime Minister Narendra Modi, and Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma.

The deeper meaning of this electoral verdict lies in the intertwining of indigenous rights, democracy and development — they all came together to defeat a majoritarian religious-political campaign pitch of the BJP. As an immediate political context, the ED had arrested Soren — then Chief Minister of the state — in January this year. He walked out of jail just a few months ahead of the elections. His party leader Champai Soren (and erstwhile Chief Minister) had been lured away by the BJP. Governance seemed to be at a near-standstill on the eve of the elections. The resource abundance of the BJP, its supreme command over the state apparatus and the long-held societal roots of the RSS meant that the incumbent JMM was barely in any shape to defend its claims to power. In what was largely being anticipated by analysts and pollsters as a "close fight", an "issueless election", or even the setting in of anti-incumbency and corruption charges against Hemant Soren's government, these results have been truly unanticipated. For one, they have put the ascendant BJP on a clear backfoot. Even more, the RSS has been left without a script in what has been its long-held community bastion. Its social and cultural agenda is carried on by front organisations, such as the Vikas Bharati, the Vanvasi Kalyan Ashram and the Ekal Vidyalayas. This verdict has proven to be a confidence-booster for the INDIA bloc, especially as Hemant Soren gains stature within the coalition. He enjoys the respect and confidence of the Gandhis, Mamata Banerjee, Chief Minister of the neighbouring state of West Bengal, Lalu Prasad Yadav and Akhilesh Yadav.

So, what exactly worked for the JMM? What does this defeat mean for the BJP? And going ahead, what lessons can be drawn for other state elections and in reconfiguring national politics and India's democracy? On what worked for the JMM: First of all, the JMM in alliance with the Congress has withstood a very divisive campaign hurled on to the people of the state, emphasising on ghuspaithiya having illegally entered districts in Jharkhand. The reference was to illegal Bangladeshi Muslims having infiltrated the land-locked Jharkhand. The BJP campaign presented district-wise data about the presence of ghuspaithiyas. In further rumour-mongering and myth-making, there were claims that these infiltrators would grab the land of adivasis and take away their daughters. The adivasi attachment to their land and their jungles is a deep entanglement, protected as a community right under the Chotanagpur Tenancy Act (and similar legislation for Santhal Pargana). Many believed that a poor and illiterate electorate would fall prey to this type of rumour-mongering. It seems, in retrospect, that the pitching of a tribal identity at the forefront and its belief in the naturalist sarna religious and community rights proved to be an appropriate counter.

## Israel-Hezbollah pact a fresh chance for the Middle East

THE word "opportunity" rarely appears in the same sentence as the Middle East, and for good reason, but there is a case for suggesting we are approaching an exception. An opportunity — if not for lasting peace, then at least...

THE word "opportunity" rarely appears in the same sentence as the Middle East, and for good reason, but there is a case for suggesting we are approaching an exception. An opportunity — if not for lasting peace, then at least for an end to the ongoing conflicts and the prevention of new ones — is, in fact, knocking. The question is whether political leaders will open the door.

Israel has decimated the military capability of both Hamas in Gaza and Hezbollah in Lebanon. But continuing military action on its part is running up against the law of diminishing returns as fewer high-value targets are left. Moreover, continued military efforts threaten the country's regional and global standing. The International Criminal Court's decision to issue arrest warrants for Prime Minister Benjamin Netanyahu and former Defence Minister Yoav Gallant is the latest indication of the political isolation and economic sanctions that could become Israel's fate unless it changes course.

The case for a ceasefire on both fronts is strong. The recent agreement between Israel and Hezbollah requires Hezbollah (which is so weakened that it dropped its insistence that a ceasefire in southern Lebanon be linked to one in Gaza) to move its heavy weaponry north of the Litani river, away from the border with Israel. Lebanese troops will patrol southern Lebanon, and the Israel defence forces will withdraw from the area and agree not to maintain a presence. Israel has obtained assurances that under certain conditions, it would still be able to take military action against Hezbollah to frustrate the group's attempts to reconstitute itself along the border or if it were preparing to attack.

This accord, if it holds, permits some 60,000 Israelis to return to their homes after more than a year of displacement. In addition, the ceasefire will allow Israel's exhausted and overextended military to recover and focus on other challenges, including Iran, which is inching ever closer to developing a nuclear-weapons capability that would pose an existential threat to Israel. And the ceasefire should also spare Lebanon and its people further

devastation. Yes, the ceasefire will also allow Hezbollah a degree of time and space to regroup, which is why some in Israel oppose it. That said, open-ended military operations will accomplish little, as Hezbollah can be weakened but not eliminated. Israel's past failed occupation of southern Lebanon demonstrates as much. Israel's goal, which this agreement puts within reach, should be to restore deterrence.

Gaza poses a more difficult challenge. It is not clear that Hamas would agree to a ceasefire, although it is much weakened militarily and might have difficulty

a process would pave the way for the entry into Gaza of a regional stabilisation force and the establishment of diplomatic relations between Israel and Saudi Arabia. Over time, a Palestinian state, properly constituted, would enable Israel to remain both Jewish and democratic as well as prosperous and secure.

Some in Israel much prefer a future that allows for Israeli settlement of parts of Gaza and annexation of large swaths of the West Bank. And if they do not get their way, they have vocally threatened to bring down Netanyahu's government. That is a risk Netanyahu has been loath to take, given that, once out of office, he faces pending legal action and official investigations into Israel's failure to anticipate and respond to Hamas's October 7 attack.

Donald Trump, whose return to the Oval Office on January 20 is already looming over these dynamics, could prove to be the critical variable. While the Israeli right sees his return as an opportunity to achieve maximalist aims, even calling 2025 the year of Israeli sovereignty in the West Bank and an opportunity to begin reducing Gaza's Palestinian population through "voluntary emigration", Trump has expressed a desire to calm the region.

Trump is in a position to achieve this goal. Owing to events in Lebanon, Netanyahu may be sufficiently strong to stare down his right-wing coalition partners, form a new government without them, or even get a fresh mandate from the voters. And even if not, Trump, whom the Israeli right sees as a friend, could lean on Netanyahu and his government in a way that President Joe Biden never could. It would be more difficult for Netanyahu to resist Trump's pressure and much easier for Trump to apply and sustain such pressure, given his support among American evangelicals and certain American-Jewish communities. Richard Nixon comes to mind. Nixon, it is said, was able to reach out to Mao's China because he alone didn't have to worry about Nixon. Much the same now applies to Trump. He could build on the ceasefire in Lebanon and press for one in Gaza, launching what would be a promising diplomatic process. Pulling this off would constitute quite a coup for the 47th President. The opportunity is there for the taking.



resisting one if Israel agrees to terms that are widely deemed reasonable. But will Israel agree? It should, because a ceasefire would allow the return of the more than one hundred remaining hostages in Gaza, half of whom Israeli intelligence services believe are still alive. Moreover, as with Lebanon, it is far from clear that Israel stands to gain from continuing military operations in Gaza.

Hamas is certainly unable to launch another attack like the one it carried out on October 7, 2023. But Israel's refusal to start a diplomatic process that would give Palestinians a chance to secure elements of their nationalist aspirations has made it possible for Hamas — with its insistence on endless struggle — to remain relevant. The big question, then, is whether Israel would agree to a political process that holds out the possibility (however distant, conditional and vague in terms of territorial reach) of creating a Palestinian state. In the near term, such

## Cancer claptrap

A fierce backlash from leading oncologists forced Congress leader Navjot Singh Sidhu — renowned for stepping out and hitting sixes during his cricket days — to go on the back foot. With cancer specialists punching holes into his claim that...

A fierce backlash from leading oncologists forced Congress leader Navjot Singh Sidhu — renowned for stepping out and hitting sixes during his cricket days — to go on the back foot. With cancer specialists punching holes into his claim that a strict dietary and lifestyle regimen enabled his wife to overcome the dreaded 'emperor of all maladies', Sidhu clarified that the diet plan was followed in consultation with doctors and had only served as a facilitator in the treatment. True to form, the former MP went overboard last week when he told the media that Mrs Sidhu had 'starved' cancer cells simply by consuming haldi and neem and shunning dairy products as well as sugar. Though Sidhu's wife is a doctor, he couldn't resist the temptation of veering off the medically established path. It's laudable that oncologists reacted quickly, urging the public to not delay treatment by banking on unproven remedies. Surgery, radiation therapy and chemotherapy continue to



be the time-tested methods to cure cancer.

Sidhu alone, however, is not to blame for spreading misinformation. Social media is replete with 'magic cures' for cancer and other diseases, and there is no dearth of people who lap up all the myths and untruths. Patanjali Ayurved has repeatedly found itself in the crosshairs of the Supreme Court over misleading advertisements of Ayush products. The Union Government is also at fault as a draft to amend the Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act, 1954, aimed at taking stringent action against those who release deceptive advertisements, has been on the back burner for the past four years. Cutting across party lines, parliamentarians should try to ensure that the proposed amendment is not consigned to oblivion. The medical community has a huge role to play in spreading awareness about evidence-based treatment. And the public can do its bit by raising doubts about remedies that seem too good to be true.

## Don't let hate-mongers run riot

A gentleman whom I have never met wrote a letter to me last week. He is 74 and holds a post-graduate degree in arts from Punjab. He begins his epistle by stating, "Your role in Punjab as the police chief..."

A gentleman whom I have never met wrote a letter to me last week. He is 74 and holds a post-graduate degree in arts from Punjab. He begins his epistle by stating, "Your role in Punjab as the police chief was very laudable." Thank you, sir. I wish to remind you that the Gita enjoins every individual to do his or her duty without expectation of a reward or recognition. Similarly, the Bible taught me that Christ was a servant of the people, and I, as his follower, should serve humanity. This is one Christian precept that I have followed. But even God likes to be praised. And I am only human. On the other hand, our Prime Minister is claiming an aura of divinity. I get the distinct feeling that he likes to be praised. In this human failing we are partners!

So, when you say that my articles are replete with "anti-Modi and anti-Hindu voices", I am astonished and constrained to respond. When did I ever speak against Hinduism or Hindus? My ancestors, like the ancestors of '99.9 per cent' of the Christians in India, were Hindus, if you include the worship of nature, like in most tribal communities, as part of Hinduism. Tribals populating the North-East are largely Christian. At present, they are politically aligned largely with Narendra Modi's party. Perhaps you forgot about their existence. I admit to criticising Modi at times. In mature democracies, criticism of rulers is an accepted practice. Rulers have to be accountable to the ruled. Before Modi and Amit Shah took over the reins of government in Delhi, I had written against Congress rulers in Maharashtra. While in service in Punjab, I had spoken in closed-door meetings against the Congress' protection of

those accused of inciting violence against the Sikhs in the 1984 pogrom. Rajiv Gandhi disapproved of my views. If you count views against wrong policies as being anti-Modi, so be it. Lynching of cattle traders and beef eaters and using bulldozers to punish Muslim offenders are anathema to fair play and justice. I will continue to speak out against affronts to the rule of law on which governance is based universally. The accusation that I am anti-Hindu is ridiculous and preposterous. This week, the US-based daughter of one of my first bosses in the police paid me a visit. Vasant Vinayak Nagarkar was a Chitpavan Brahmin from Pune. He asked me to come and stay with him and his family during my training. I did so and became a part of his family in a manner of speaking. During my career in the IPS, I have served under Hindu bosses. They have always been kind to me, with one stray exception. The majority of the officers who reported to me were Hindus. After my retirement, many of them have been in touch with me. If they felt that I was anti-Hindu, they would have kept their distance. As a human being — a Christian one — I do not and will not hate other human beings.

Religious identities were never a part of the official lexicon before the Modi-Shah duo came to power. The first Prime Minister from the BJP was Atal Bihari Vajpayee, a statesman to the core. On assuming charge of his august office, he offered me governorship, something no Christian can hope for in Modi's reign. In today's dispensation, governors have a more active role to play to ensure that single-engine governments fall in line. To identify a suitable



Christian who fits that bill would be well-nigh impossible. A strange statement made by you in your letter is that I am wrong when I affirm that terrorism cannot be exterminated by "guns and bullets" alone. My conviction is based on my experience in Punjab and the experience of law enforcers in Ireland and elsewhere in the world where terrorists have operated. You subscribe to the muscular beliefs of Home Minister Shah, who cites his government's strong-arm policies in Kashmir as evidence of that unscientific belief. I beg to differ. Terrorism continues to plague J&K and will keep doing so till the majority of the Kashmiri Muslim community is won over. My advice to you is not to accept every word that emanates from the mouths of our rulers. They are politicians. We are not. Another assertion that you make is that "Muslims have a latent mission to Islamise India". Surely, not all Muslims think of such unattainable goals! Some diehards do. They belong to the category of dreamers and extremists. Their ilk can be found among all religious

denominations. Not too much attention should be paid to such extremists. There is not a ghost of a chance that our glorious land will be Islamised. And remember that the bulk of the Muslim population in India is only concerned about feeding their children and themselves. In today's atmosphere of hate and divisions, poor Muslims are finding it difficult to eke out a living.

You pontificate that the "proselytisation practised by Christian missionaries is the worst, most shameless, inhuman" and that "converted people seek foreign guidance, showing little love for their erstwhile Hindu lineage". Truly, I find it difficult to find evidence to justify your findings. The proselytisation that led to the Christianisation of my ancestors and the local Marathi-speaking East Indians (named after the East India Company) in Bombay was effected by Portuguese missionaries in the 'Age of Faith' four or five centuries ago. As for seeking foreign guidance, statistics show that most of our compatriots settled abroad are not converts to Christianity. A stray individual may be motivated to convert. Usually, this occurs when an inter-religious marriage takes place. Such conversions will not make any dent in the dominance of the majority community in the political and social life of the nation. You end your letter by appealing to me "to show to your fellow Christians and Muslims to respect Hindus" and not to "tease, kill" them! I can only say that you have been misinformed. I have not heard of any Christian killing or being killed by Hindus but my Muslim brothers have certainly.

## SC bars Aakash Institute to amend Articles of Association plan

**NEW DELHI.** The Supreme Court on Friday directed Byju's subsidiary Aakash Institute not to implement the resolution to amend its Articles of Association (AoA), which was passed at the EGM (extraordinary general meeting). While on November 20, the National Company Law Tribunal (NCLT) blocked the resolution, it was later stayed by the Karnataka High Court. The resolution is said to have the potential to dilute shareholding rights of certain investors. A Bench led by Chief Justice of India Sanjiv Khanna and Justice PV Sanjay Kumar directed Aakash to approach the NCLAT within seven days. As per reports, both Aakash and Manipal Health Systems, which is a shareholder, informed the SC that they would not pursue the writ petition in the Karnataka High Court against the NCLT order. Reports suggest the NCLAT has been directed to decide the case uninfluenced by the decision of the high court. Singapore VII Topco, entity owned by



Blackstone, which holds a 6.97% stake in Aakash had filed a mismanagement and oppression petition with the NCLT and investors had argued that whatever changes proposed aimed at diluting their stake in the company. Aakash Institute is the profitable subsidiary of beleaguered edtech firm Byju's.

## Gold loans grow over 50% in seven months

**MUMBAI.** Loans against gold jewellery by banks have grown by 50.4% in the first seven months of the current financial year. The sharp increase comes even as credit in every other personal loan segment grew in single digits. Data on sectoral deployment of bank credit released by RBI on Friday showed gold loans outstanding as of Oct 18, 2024, at Rs 1,54,282 crore. At the end of March 2024, total gold loans outstanding stood at Rs 1,02,562 crore. The year-on-year growth was 56%, compared to 13% in October 2023. Bankers said the spike in gold loans in the first seven months could be attributed to several factors, including a shift from NBFCs and a preference for secured loans over unsecured ones. Bank loans to NBFCs have shrunk by 0.7% to Rs 1.5 lakh crore during the first seven months of the year. Bankers also noted that the rise in gold loans could be due to the increase in its prices, which provides borrowers an opportunity to repay old loans and secure higher new loans. Some analysts view the growing demand for gold loans as a sign of financial distress. Last month, RBI directed banks and finance companies to review their gold loan policies and procedures, instructing them to rectify any deficiencies within three months. This followed a review that uncovered irregular practices, such as hiding bad loans through evergreening.

In the personal loan segment, the year-to-date growth in home loans was 5.6%. The home loan books of banks rose to Rs 28.7 lakh crore. Year-on-year growth in home loans was 12.1%, compared to 36.6% in October 2023. The next highest growth was in credit card outstanding, which rose by 9.2% in seven months to Rs 2.81 lakh crore. The increase in outstanding credit was in line with the rise in online transactions during the period. However, growth in other personal loans, including unsecured loans, was sluggish at 3.3%.

## Bank credit growth slows to 12.8% in October

**NEW DELHI.** Non-food credit of banks registered a growth of 12.8 per cent in October as against 15.5 per cent in the year-ago month, according to the Reserve Bank of India's latest data. In October, non-food credit of lenders stood at Rs 167.54 lakh crore as against Rs 148.52 lakh crore in October 2023, the data showed. The slowdown in the credit growth compared to the previous year can be attributed to a higher base effect due to the merger of HDFC Ltd and HDFC Bank and RBI measures such as higher risk weights and the proposed Liquidity Coverage Ratio (LCR) norms. CareEdge Ratings said in a recent report. The decrease in advances growth in



October was mainly on account of dip in growth in personal loans and credit to the agriculture sector. Personal loans registered a growth of 15.8 per cent (y-o-y) at Rs 52.79 lakh crore in October 2024 as compared with a 18 per cent in the year-ago month. This slowdown was largely due to decline in growth in other personal loans (11.5 per cent vs 22.9 per cent), vehicle loans (11.4 per cent vs 20 per cent) and credit card outstanding (16.9 per cent vs 28 per cent). However, housing – the largest constituent of the personal loan segment – recorded an accelerated y-o-y growth of 17.8 per cent in October 2024 as against 14.3 per cent, the data showed. Credit to agriculture and allied activities registered a growth of 15.5 per cent (y-o-y) in October 2024, compared with 17.4 per cent seen in the same month of last year.

# Q2 Growth Numbers Disappointing But 6.5% GDP Target For Fy25 'Not In Danger': CEA

**Real GDP growth print of 5.4 per cent is on the lower side and it is disappointing, but there are some bright spots, says Chief Economic Advisor V Anantha Nageswaran.**

Chief Economic Advisor V Anantha Nageswaran on Friday said that second quarter GDP growth at 5.4 per cent is disappointing but maintained that overall growth projection for FY25 at 6.5 per cent is "not in danger". The Economic Survey projected India's GDP to grow at 6.5-7 per cent in 2024-25, down from a high of 8.2 per cent in the preceding financial year. "Real GDP growth print of 5.4 per cent is on the lower side and it is

disappointing, but there are some bright spots," Chief Economic Advisor V Anantha Nageswaran said while addressing media on Q2 GDP data. Agriculture and allied sector and construction sector are some of the bright spot, he said, adding, record production estimates for kharif foodgrains as well as promising rabi crop prospects augur well for farm income and rural demand.

On the basis of second quarter number, it cannot be said that 6.5 per cent number is in danger as the low second quarter number is not a trend, he said. He exuded confidence that economy shows resilience underpinned by steady demand and strong manufacturing and service sector activity. Talking about other bright spot, he said, labour market shows signs of growth, with an easing unemployment rate and expanding formal workforce, with notable increases in manufacturing jobs and a strong inflow of youth into organised sectors. Better growth in labour incomes holds the



key to sustained demand growth and capital formation in the private sector, he said, adding, global crude oil prices remaining low, bodes well for economic activity and price stability.

India's economic growth slowed to near two-year low of 5.4 per cent in the July-September quarter of this fiscal due to poor performance of manufacturing and mining sectors as well as weak consumption. The gross domestic product

(GDP) had expanded by 8.1 per cent in the July-September quarter of 2023-24 fiscal and 6.7 per cent in first quarter of current fiscal (April-June 2024). The previous low level of GDP growth at 4.3 per cent was recorded in the third quarter (October-December 2022) of financial year 2022-23. With regard to challenges, Nageswaran said geopolitical conditions remain fragile and may continue to impact domestic inflation, supply chains and capital flows. Elevated asset prices globally is a risk factor, he said, adding, exports face greater uncertainties due to potential policy development elsewhere and an uncertain outlook for monetary policy and economic growth in advanced economies.

Limits to states' capacity on capex, capital-intensive growth in private corporate sector and the regulatory environment are medium- to long-term risk factors for economic growth, he added.

## Capex slowdown helps govt cut deficit by 6.6 per cent in Apr-Oct

**NEW DELHI.** The slowing down of capital expenditure has helped the central government keep its books in order with fiscal deficit contracting by 6.6% in the first seven months (April-October) of the current financial year, according to the released by the government. The fiscal deficit (difference between total receipts and expenditure) during the period was Rs 7.5 lakh crore, which is 46.5% of the budget target of Rs 16.13 lakh crore. In the same period the previous year, the fiscal deficit had breached Rs 8 lakh crore mark. The central government's spending on infrastructure and other assets (capex) has dropped by 14.7% to Rs 4.7 lakh crore during the first seven months of the year. Last year during the same period, the total capex was Rs .5 lakh crore. In the current financial year, the Centre has a target of spending Rs 11.11 lakh crore on capex.



Revenue expenditure of the government – the spending on salaries and pension payments – increased by 8.7% to Rs 20 lakh crore. The total expenditure of the government breached 51.3% of the budget target of '48.2 lakh crore. Meanwhile, the growth in gross tax collection during April-October has moderated to 10.8%, down from 12% up to September. In October 2024, the gross tax collection remained stagnant at Rs 2.2 lakh crore, registering a growth of only 1.64%. Corporate tax collection in October 2024 registered a

decline of 14% to Rs 26,365 crore compared to Rs 30,686 crore in the same period last year.

In the April-October period, corporate tax collections remained stagnant at Rs 4.88 lakh crore as compared to Rs 4.82 lakh crore. Income tax collections during till October registered a growth of 20.2% to Rs 6.3 lakh crore. Central gross domestic product collections increased by 11% to Rs 5.2 lakh crore.

The government has set a target of limiting the fiscal deficit to 4.9% of the FY25 gross domestic product (GDP). But now with moderation in capital expenditure, and higher dividend by the Reserve Bank of India, the government might reduce the fiscal deficit further. According to an India Ratings estimate, the fiscal deficit could come down to 4.71% of the FY25 gross domestic product.

## GDP growth rate slumps to near two-year low of 5.4% in July-Sept

**NEW DELHI.** INDIA'S REAL Gross Domestic Product (GDP) growth slumped to a seven-quarter low of 5.4 per cent in July-September 2024, pulled down by "sluggish growth" in manufacturing and a deceleration in mining and quarrying, data released by the National Statistics Office (NSO) on Friday showed. The 5.4 per cent growth rate in Q2 is lower than 6.7 per cent in the April-June quarter and 8.1 per cent in July-September 2023. It is at least a percentage point lower than the consensus estimate arrived at through a poll of economists. Several factors added up to what Chief Economic Advisor V Anantha Nageswaran described as a "disappointing but not alarming" lower growth rate in Q2. Going forward, he said, doubling down on deregulation, expanding state capacity for public investment, and improving hiring and compensation policies in the private sector, will

improve growth prospects and turn the second quarter numbers into a fading memory. "Bulk of the slowdown has been predominantly due to the manufacturing sector. And some of it is partly due to the presence of excess capacity elsewhere and imports dumping in India and naturally the manufacturing process slowed down," he said. Manufacturing, which accounts for over 17 per cent of the total Gross Value Added (GVA) output, grew by just 2.2 per cent in July-September as against 7 per cent growth in April-June and 14.3 per cent growth in the corresponding period last year. Mining and quarrying seem to have been sharply hit by the extended rainfall as it recorded a contraction of 0.1 per cent in July-September compared with 7.2 per cent growth in the previous quarter and 11.1 per cent in the year-ago period.

There were some bright spots though,

Nageswaran said. "Agriculture has done quite well. The other bright spot is construction. Over the last full year, the construction sector has been growing at very high single digits and continued that growth rate in the first half of the current financial year as well," he said. To a question on the need for an interest rate cut, the CEA said the numbers were available for all to see, including the RBI. "They know what to do and I will not be commenting on this," Nageswaran said. When asked if there is risk to the Economic Survey's growth projection of 6.5-7 per cent for the full financial year he said, "It is too soon to say that even 6.5 per cent is in danger. I don't think we should extrapolate too much." The Reserve Bank of India (RBI) has projected a much higher GDP growth rate of 7.2 per cent for 2024-25 and 7.



Green Energy for alleged securities and wire frauds and corruption of \$265 million to government officials back home to win power contracts. The charges relate to alleged violation of the SEC guidelines that led to false and misleading statements in bond offer documents.

I would know if large amount paid: Adani CFO  
Mumbai: Maintaining that no bribes were given to govt officials to secure contracts, Adani Group CFO Jughesinder Singh on Friday said he would come to know if large amount was paid. The individuals named in allegations will respond and contest charges at the proper forum, he added.

# India signs \$98 million deal with ADB to enhance horticulture yields

**NEW DELHI.** India has signed a \$98 million loan agreement with the Asian Development Bank (ADB) to improve horticulture crop productivity, the ministry of finance announced on Friday.

"The Government of India and the Asian Development Bank (ADB) today signed a \$98 million loan to improve horticulture crop farmers' access to certified disease-free planting materials, which will boost their crops' yield, quality, and resilience to climate impacts," ministry of finance said in a statement. The loan agreement, part of the "Building India's Clean Plant Programme," was signed by Jui Mukherjee, joint secretary, department of economic affairs, ministry of finance, and Kai Wei Yeo, officer-in-charge of ADB's India Resident Mission.

"ADB funding will promote plant health that is vital for improving productivity of farmers," Mukherjee said after signing the agreement. ADB representative Yeo highlighted that the project falls in line



with the government's Atmanirbhar Clean Plant Programme (CPP), which focuses on improving plant health management. "It will help develop regulatory framework and institutional systems to effectively implement the CPP for horticulture in India. The project will involve close consultation with private nurseries, researchers, state governments, and growers' associations to ensure its success and sustainability,"

he said. According to the finance ministry, the project aims to set up clean plant centers equipped with state-of-the-art laboratories for disease diagnostics, staffed with trained experts.

These centres will maintain disease-free foundation materials and roll out a clean plant certification scheme. Accredited private nurseries will be tested and certified to ensure farmers have access to high-quality planting materials.

These centers will be set up using disease-free foundation materials and roll out a clean plant certification scheme. Additionally, accredited private nurseries will be tested and certified to ensure farmers have access to high-quality planting materials.

The project aims to boost crop productivity and help farmers tackle climate change challenges by providing disease-free materials that enhance long-term resilience, as rising temperatures impact pest and disease behavior.

"The plant health management promoted through the project will also help farmers adapt to climate change, as rising temperatures not only cause extreme weather events but also affect pest and disease behavior" the ministry said. The project will be implemented by ministry of agriculture and farmers welfare, along with the National Horticulture Board and the Indian Council of Agricultural Research.



# Blame game over bus marshals in Delhi

Delhi CM Atishi defended AAP chief Arvind Kejriwal who was accused by the BJP of directing to remove the bus marshals from November, 2023.

them was pending with the L-G. Participating in a discussion over the issue, Atishi said the Aam Aadmi Party (AAP) will not field any candidate against Leader of Opposition Vijender Gupta from Rohini assembly seat if he convinced Lieutenant Governor (L-G) V K Saxena to approve the proposal for reinstating 10,000 bus marshals. Speaking on a lighter note, the chief minister also said she will campaign for Gupta in the elections if he got the proposal approved by the L-G. She defended AAP chief Arvind Kejriwal who was accused by the BJP of directing to remove the bus marshals from November, 2023. In his letter on October 20, 2023, Kejriwal had said the bus marshals should not be removed and action need to be taken against the officers who stopped payment of their salaries, she said. The chief minister asserted that the presence of uniformed marshals prevented incidents of misbehaviour with women and girls in the



bus. But the L-G got them removed without caring for the safety of women, she charged. The ruling AAP MLAs hit at the BJP alleging they got the bus marshals removed through the L-G and thereby created livelihood problems for them and their families. The BJP legislators retorted saying the bus marshals were removed on the direction of Kejriwal, the then chief minister, and now AAP was doing politics over their reinstatement.

BJP MLA Abhay Verma questioned the ruling party saying why was it in power if it can not give back bus marshals their jobs. Gupta sought answers from Atishi saying the AAP government deployed bus marshals and then removed them. "It is surprising that the ruling party is saying the opposition BJP should give the bus marshals their jobs back," the LoP said, and claimed that a committee suggested by the chief minister to regularise the bus marshals was not yet formed. The L-G wrote to Atishi to start the regularisation of bus marshals and in the interim provide them jobs for four months, he said. The AAP government has not done anything to implement it, he said. Urban Development minister Saurabh Bharadwaj attacked Gupta, saying he tried to evade meeting the L-G along with the CM for reinstatement of the bus marshals. He said the AAP legislators were still prepared to go to the LG if the opposition BJP members accompanied them to help reinstatement of the bus marshals.

## 'Digital Arrest': People Are Losing Crores To Scammers How To Remain Safe

**Digital arrests" refers to a type of cyber fraud where scammers impersonate law enforcement officers or government representatives.**

**New Delhi:** A 90-year-old Gujarat man was duped of over ₹1 crore by fraudsters posing as Central Bureau of Investigation (CBI) officers. The common placed the senior citizen under a "digital arrest", claiming the old man was involved in drug trafficking and money laundering. According to the Surat Crime Branch, five individuals have been arrested in connection with the scam, which reportedly had ties to an international gang operating out of China. The mastermind, Parth Gopani, is suspected to be hiding in Cambodia.

**What Is Digital Arrest?** "Digital arrests" do not exist under Indian law, clarified Yashasvi Yadav, Special Inspector General of Police for Maharashtra Cyber Department. "Digital arrests are one of the sophisticated scams that even well-educated people, including officers, fall for," he told Profit. The term refers to a type of cyber fraud where scammers impersonate law enforcement officers or government representatives. They pressure victims into paying large sums of money using psychological tactics and threats over audio or video calls. Cyber law expert and advocate Pawan Duggal explained, "Digital arrest is the phenomenon of trying to put somebody in a sense of fear and panic and thereafter going ahead and extorting money from the said person under some mistaken notion so as to make the said person a victim of a cybercrime."

**How Digital Arrest Scams Work** Initiating the Call: Victims are informed they are implicated in crimes like drug trafficking or money laundering. Scammers create a sense of fear of severe consequences, such as jail time. Fraudsters use props like fake uniforms, ID cards, and documents. They may even mimic government office settings to appear authentic. Victims are asked to keep their cameras and microphones on while being warned against disclosing the situation to anyone. Under pressure, victims transfer money to accounts provided by the scammers, believing it to be part of the "investigation" process.

**How To Stay Safe** If you receive a call claiming you are under digital arrest, here's what to do: Report the number immediately to law enforcement. Verify suspicious calls and credentials using official websites rather than search engines, as scammers often upload fake numbers online.

## Newlywed woman dies in geyser explosion while bathing at in-laws home in UP

**New Delhi.** A newlywed woman lost her life in a geyser explosion while bathing at her in-laws' home in the Mirganj area of Bareilly, Uttar Pradesh. The incident occurred on Wednesday, just five days after her wedding. The woman got married to Deepak Yadav from Pipalsana Chaudhary village on November 22. Originally from Kale Ka Nagla village in Bulandshahr, the woman was settling into her new home when the accident happened.

According to her family, the woman went to the



bathroom to bathe in the evening but did not come out for a long time. Concerned, her husband and family members called out to her multiple times, but she did not respond. When they broke open the bathroom door, they found her lying unconscious on the floor, and the geyser had exploded. The family rushed her to a hospital, but doctors declared her dead on arrival. The police were informed about the incident, and her body was sent for a post-mortem examination. The cause of the explosion is not yet clear, and the police are investigating the matter.

## Need tree census in Delhi, authority to verify tree officer's work: SC

**NEW DELHI.** The Supreme Court on Friday stressed upon the need for a census of trees in the national capital and said it wanted to create an authority to supervise the work carried out by a tree officer. A two-judge bench of the apex court, led by Justice Abhay S Oka and Justice Augustine George Masih, said the issue over the strict implementation of the provisions of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994, required immediate attention. The bench of the apex court passed these remarks after hearing an application seeking to restrain the Delhi government from allowing the felling of trees without the top court's permission.

"Apart from tree census, that order we are going to pass, we also want to create an authority. That authority will verify whether the tree officer has done a proper job. Somebody has to supervise the permission granted," the bench of the apex court said.

Praising lawyers appearing before it in matters related to the preservation of the environment and protection of trees, the apex court said the advocates were very cooperative, and they have always taken a far stand before the court. After hearing this, the Additional Solicitor General (ASG) Aishwarya Bhati said, "We are grateful.

Your lordships are doing it for our better future, our children's better future." The bench asked the lawyers appearing in the matter to give suggestions on the basis of which the authority should be constituted. "We are of the opinion that not only individual experts are required, but an institution had to be involved in this process also," it said.

"We always believe that in environment matters, harsh orders are warranted," the bench noted.

Termining it as very important the issue concerning strict implementation of the provisions of the 1994 Act, the apex court, said, "To enable the counsel appearing for the parties to address us on the issue, we direct that the petition shall be listed on December 18." Last week, the apex court proposed to set up a committee of experts and said without the panel's nod, the felling of trees in the national capital cannot take place.

## Archaeological body flags alterations to Sambhal mosque, hurdles in inspection

**New Delhi.** The Archaeological Survey of India (ASI), in an affidavit, has highlighted the challenges faced in inspecting the Shahi Jama Masjid in Uttar Pradesh's Sambhal, which was recently rocked by violence following a court-mandated survey of the mosque. The affidavit, accessed by India Today, also highlights several modifications done to the Jama Masjid, which is an ASI protected site.

The affidavit was filed by VS Rawat, Superintending Archaeologist (Meerut circle), before the local court in Sambhal that commissioned a fresh survey of the mosque following claims that it was built after demolishing a temple that stood there. The survey on November 19 triggered massive violence in Sambhal that left five people dead and 20 police officers injured. The ASI affidavit mentioned that the Mughal-era mosque, declared a protected monument in 1920, has

undergone several unapproved modifications. The affidavit also said that the masjid management committee conducted various



additions and modifications to the structure over time. The affidavit claimed that even ASI officers were often barred from entering the site for inspections. Despite the challenges, the ASI, with the support of the district administration, managed to inspect the site in 1998. Another inspection

was carried out on June 25, 2024, which revealed further modifications to the monument.

The affidavit further stated that whenever unauthorised modern interventions were noticed, complaints were filed with the local police, and showcause notices were issued to the violators. However, restrictions on regular inspections made it difficult for the ASI team to ascertain the extent of violations or the current status of the monument accurately, the affidavit said. On Friday, the Supreme Court asked the trial court in Sambhal not to proceed with the mosque survey case till the masjid committee moves the High Court. The top court also directed that the report of the advocate commissioner, who conducted the survey of the mosque, should be kept in a sealed cover and should not be opened in the meantime.

## Man dies by suicide in Gujarat after being cheated of Rs 40 lakh in loan fraud

**The accused took Rs 40 lakh from the victim on the pretext of getting him a loan worth crores from Union Bank.**

**NEW DELHI.** A man in Bhavnagar, Gujarat, died by suicide after being allegedly cheated of Rs 40 lakh by two individuals who promised to secure him a large bank loan. The man, identified as Praveen, left behind a suicide note and video naming four people responsible for his death. Praveen, who was engaged in constructing houses, had reportedly been struggling with mounting debts after he borrowed money to pay the agents who assured him of a loan worth crores from Union Bank. According to his suicide note and video, the agents-identified as Raju Solanki and Mehul Makwana-had gained his trust over the past year. They convinced him to pay Rs 40 lakh in instalments, claiming it was required to facilitate the loan approval. Praveen's financial troubles deepened as he borrowed money from friends and relatives at high interest rates to meet the agents' demands. Despite repeated



assurances that the loan would be processed, it never materialised and the moneylenders from whom he had borrowed started pressuring him for repayment. In the video recorded before his death, Praveen expressed his anguish, saying, "I don't want to die, but I am helpless. I was cheated by people who promised me a loan and took Rs 40 lakh. Now they claim they can only return Rs 20 lakh and say the rest has been spent. He

further appealed for justice for his family, urging authorities to punish the accused and ensure his wife and son receive the money owed.

He also named a woman who allegedly cheated him of Rs 5 lakh.

On receiving the complaint, Praveen's wife approached the Ghogha Road police station. The police have registered a case against the two agents, Raju Solanki and Mehul Makwana, and two moneylenders, Gautam Meer and Deepak Garagewala. An investigator officer at Ghogha Road police station said, "We have retrieved the suicide note and video in which Praveen mentions giving Rs 40 lakh to Raju Solanki and Mehul Makwana for a loan that was never approved. He also names the two moneylenders who pressured him for repayment. An investigation is underway to verify all claims and ensure justice is served."

## "Those Who Consider Power As Birthright...": PM Modi Rips Into Opposition

**Bhubaneswar.** Slamming opposition parties for propaganda against the BJP-led NDA, Prime Minister Narendra Modi on Friday asserted that they have "crushed" the spirit of the Constitution and rejected all norms of democracy. PM Modi, addressing party workers in Bhubaneswar, also said that the opposition has only one aim, "to somehow capture power by misleading people". "Those who consider power as their birthright have not been in power at the Centre for the last decade," he said in an apparent dig at the opposition. The prime minister said it is quite natural that there would be ideological differences among political parties on different issues, and that they have the right to express their views and resort to agitations. "During my tenure as Chief Minister and PM, I saw different colours of politics. I admit that a constructive opposition is normal in a democracy. There can be differences of opinion on any decision," he said. PM Modi said everyone, however, can now feel a big difference in the manner protests are organised. "The spirit of the

Constitution is crushed and all the norms of democracy are rejected." The PM said that from the very beginning, the opposition parties were not ready to accept the fact that people gave their mandate to the BJP-led NDA. "Denied of power for the last decade, such parties are now filled with so much anger that they do not hesitate to conspire against the country and its people. They are misleading people with 'jhoot aur afwah ki dukan' (lies and rumours)," he said. PM Modi noted that such false propaganda is a big challenge for people of India, and BJP workers and "those who love the country and respect the Constitution should be more alert and vigilant to foil such attempts and expose the lies". He also said the BJP dedicatedly worked for the development of Odisha even when the party was not in power in the eastern state. "The Odisha poll results surprised many big political experts, who had completely rejected the idea of BJP forming government in the state... BJP's election success in Odisha, Haryana, and



Maharashtra has created a new confidence in the entire country. This is the speciality of BJP and the capability of our workers," asserted PM Modi.

The BJP respects and gives priority to the rich culture and tradition of Odisha, he said. "I am happy that due to the efforts of the BJP, Odisha's tribal daughter Droupadi Murmu ji is the President of the country today. This has boosted the confidence of daughters from all sections of society. Her journey will inspire many generations to come," the PM said. On the All India DGP/IGP Conference that got underway

in Bhubaneswar, he said it is being held in Odisha for the first time, though the event has been taking place since the British period. "We want to give priority to Odisha not only in the country but also on the world map," he said, adding that after the BJP formed government in the state, it has implemented the National Education Policy and other central schemes. Besides, 'Operation Demonstration, 2024' will be organised in Puri on the occasion of Navy Day on December 4, and the 'Pravasi Bharatiya Divas' in Bhubaneswar from January 8-10. PM Modi said the BJP government has also started fulfilling the promises made during the election. "The state has launched the 'Subhadra Yojana', which will be a symbol of women empowerment.

Under the scheme, the government promises to provide ₹50,000 to one crore women in five years. Similarly, the government has started procuring paddy at a price of ₹3,100 per quintal as was promised," he said.

## NEWS BOX

## US Approves \$320 Billion F-16 Fighter Planes, Radar Systems To Taiwan

**Washington.** The United States on Friday said it had approved the possible sale of spare parts for F-16 fighter planes and radar systems to Taiwan, in a deal valued at \$320 million. The proposed sale consists of equipment in existing US military stocks, the Defense Security Cooperation Agency said in a statement.

"This proposed sale serves US national, economic and security interests by supporting the recipient's continuing efforts to modernize its armed forces and to maintain a credible defensive capability," the DSCA said. "The proposed sale will improve the recipient's ability to meet current and future threats by maintaining the operational readiness of the recipient's fleet of F-16 aircraft." China insists self-ruled Taiwan is part of its territory and opposes any international recognition of the island and its claim to be a sovereign nation. The United States, while not recognising Taiwan diplomatically, is a major international backer. The proposed sale includes "spare parts and support for F-16 aircraft" and "Active Electronically Scanned Array (AESA) radar spare parts and support," DSCA said. The Taipei Economic and Cultural Representative Office in the United States requested the purchase and deliveries were estimated to begin next year, it added. The deal was approved by the State Department, with the DSCA providing the required notification to Congress on Friday.

## Crisis In Gaza Deteriorates As Palestinians Seen Scavenging In Landfills



**World.** The Gaza Strip has spiralled into chaos, with widespread hunger, looting, and violence, including rising cases of rape in shelters, as public order collapses, according to the United Nations.

Palestinians are suffering on an unprecedented scale, with the situation in Gaza City being described as "horrendous" by Ajith Sunghay, head of the UN Human Rights Office in the Palestinian territories.

Sunghay said the Palestinians are distressed "on a scale that has to be seen to be truly grasped". The breakdown of public order and safety has exacerbated the situation, with rampant looting and fighting over scarce resources. The UN has warned about the impending anarchy in Gaza, which is now a harsh reality. "The anarchy in Gaza we warned about months ago is here", Sunghay said. Young women, many of whom have been displaced multiple times, have highlighted the lack of safe spaces or privacy in their makeshift tents.

Cases of gender-based violence, rape, abuse of children, and other forms of violence within the community have increased in shelters, according to Sunghay. The situation is dire, with thousands of displaced people sheltering in inhumane conditions, facing severe food shortages and terrible sanitary conditions. He said for the first time, he saw dozens of women and children now scavenging in giant landfills.

The UN is being blocked from delivering aid to the 70,000 people still living in northern Gaza, due to repeated impediments or rejections of humanitarian convoys by the Israeli authorities. The UN is calling for an immediate ceasefire and the release of hostages and those arbitrarily detained. "And every effort must be made to urgently provide the full quantities of food, medicine and other vital assistance desperately needed in Gaza", UN Human Rights Office spokesman Jeremy Laurence said.

## Military vehicle mows down woman protesting rigged elections in Mozambique

**World.** A military vehicle ran over a woman in Maputo, the capital of Mozambique, earlier this week, during ongoing protests following an election that the opposition claims was rigged. Videos shared online show an armored vehicle driving through a wooden barricade used by protesters and hitting the woman. She sustained head injuries but is not in critical condition, director of the emergency department at Maputo central hospital was quoted as saying by The Guardian. Mozambique's armed forces said they "accidentally ran over a citizen" and will cover her medical costs.

The statement expressed regret and promised that the "incident will be rigorously investigated to ensure that this type of situation does not happen again." In a separate incident, police shot and killed two protesters in Nampula, a northern city. An activist said the incident occurred when a crowd confronted officers after blocking roads and burning tires. The protests have been ongoing since the October 9 election, where Daniel Chapo of the Frelimo party, which has governed Mozambique since 1975, officially won with 70.7 per cent of the vote. Opposition leader Venancio Mondlane has rejected the results and called for protests.

Rights groups report that police have suppressed the protests, resulting in dozens of deaths, including children. Local monitoring group Plataforma Decide estimates at least 67 people were killed in the unrest between mid-October and mid-November.

## Darkest election possible': Bill Clinton apologises for 'outbursts' after wife Hillary's 2016 loss to Trump

**World.** Former US President Bill Clinton admitted to struggling with emotional turmoil and sleeplessness after his wife Hillary Clinton lost to Donald Trump in the 2016 presidential election, as reported by the New York Post.

In his new memoir, *Citizen: My Life After The White House*, he described his anger and apologised for his behavior. "I couldn't sleep for two years after the election. I was so angry, I wasn't fit to be around. I apologise to all those who endured my outbursts of rage," he said. "The whole thing is hard for me to write," he added.

Clinton blamed the election result on Russian interference, former FBI director James Comey's investigation into Hillary's emails, and media coverage, calling it the "darkest election possible in the United States." He quoted social scientist Kathleen Hall Jamieson, who suggested that Russian cyberattacks and Comey's actions influenced voters. Clinton added, "If so, Putin's enablers were Comey and the political press." Clinton also addressed his ties to Jeffrey Epstein, a convicted



pedophile. He confirmed flying on Epstein's plane but denied ever visiting Epstein's private island. He regretted the connection, saying, "Traveling on Epstein's plane was not worth the years of questioning afterward. I wish I had never met him." He explained that although he found Epstein "odd," he had no idea about Epstein's crimes, saying, "He hurt a lot of people, but I knew nothing about it." Clinton also revisited his 2018 NBC interview about the Monica Lewinsky scandal, a sex scandal involving him and White House intern Monica Lewinsky. He

expressed regret over how he handled the apology question, recalling being asked if he had ever apologised to Lewinsky. He responded, "No, I felt terrible then," admitting it was "not my finest hour."

The charges for which Clinton was impeached stemmed from the same sexual harassment lawsuit. During pre-trial testimony, Clinton denied having a sexual relationship with Monica Lewinsky.

## Japan to prosecute dead girl after suicide attempt kills another woman

**World.** Japan is prosecuting a teenager who fell from the rooftop of a shopping centre and landed on a pedestrian below, resulting in the death of both, Japan Today reported.

The incident occurred on August 31 this year, when a 17-year-old girl from Japan's Chiba Prefecture went to an open space on the 12th floor of the NEWoMan shopping complex above Yokohama Station. She climbed over a 2.5-meter glass barrier surrounding the public area and jumped from the building in the afternoon. The 17-year-old student landed on 32-year-old Chikako Chiba,

who was walking with friends. Both were taken to the hospital, where the teenager died first, followed by Chiba about three hours later. Investigators believe the teenager's fall was a suicide, though the reason is unclear. The teenager has been charged posthumously with "gross negligence resulting in death". Yokohama police said that the student was aware of the potential danger to pedestrians below. The decision to prosecute the teenager has sparked debate, with critics questioning the value of prosecuting someone who is deceased. A comment on Japan.

## Adverse weather claims 15 lives in Sri Lanka, over 4 lakh civilians affected



**COLOMBO.** Adverse weather from a deep depression over the southwest Bay of Bengal has claimed the lives of fifteen people in Sri Lanka, according to the Disaster Management Centre (DMC) on Saturday. The DMC said

over 450,000 people have been hit by floods, strong winds, and earth-slips in the country. Fifteen people have died so far, it said. The most number of 10 deaths have been recorded from the Eastern Province. The bad weather was

caused by the deep depression over the southwest Bay of Bengal. A cyclonic storm which is expected to affect the Eastern Province would move over to the southern Indian state of Tamil Nadu later on Saturday, the weather officials said. This would improve the bad weather situation in the country. However, the north, north central and eastern Trincomalee districts are expected to experience heavy rain falls over 100 mm, the Meteorological Department said. Heavy winds of over 60 km per hour are also expected to hit parts of the island. Meanwhile, the police said they arrested a school principal and a teacher over the deaths of six students due to flood waters in the eastern town of Sammanthurai while travelling on a tractor. The principal had asked the students to travel by tractor due to a lack of buses.

## Bangladesh Violence: Three Hindu Temples Vandalised In Chattogram As Tensions Soar After Hindu Priest's Arrest

## Religious tensions were raised in Bangladesh after the arrest of a former ISKCON member under sedition charges.

**World** Amidst ongoing religious tensions in Bangladesh, a mob shouting slogans vandalised three temples on Friday in Chattogram which has witnessed the protest and unrest in the region after the arrest of former ISKCON member under sedition charges. The attack occurred around 2:30 pm in Harish Chandra Munsef Lane, located in the port city, where the Shantaneshwari Matri Temple, the nearby Shoni Temple and the Shantaneshwari Kalibari Temple were targeted, PTI reported citing news portal BDNews24.com. "A group of several hundred slogan-shouting people threw brickbats at the temples, damaging the Shoni Temple and the gates of the other two temples," temple authorities



said, as per the PTI reports.

## TRENDING NOW

Abdul Karim, the chief of Kotwali Police Station, confirmed the attack, stating that the assailants attempted to damage the temples. However, police said that the damage to the temples was minimal following a

confrontation between the two groups during which both sides threw brickbats at each other. A procession of hundreds arrived after the Juma prayers. They started shouting anti-Hindu and anti-ISKCON slogans," said Tapan Das, a permanent member of the Shantineshwari Main Temple management committee.

"We did not obstruct the attackers. When the situation worsened, we called the army, who arrived quickly and helped restore order. All the temple gates were closed before noon. The miscreants arrived unprovoked and carried out the attack," further told BDNews24.com, PTI reported. Earlier, Spiritual leader Chinmoy Krishna Das, a former member of the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON) in Bangladesh, was arrested in connection with a sedition case and later his bail was also denied which activated the protest by Hindu community in various locations in Bangladesh, including in the capital Dhaka and Chattogram.



Authorities have not confirmed what caused the sinking but local media suggested the boat may have been overloaded. Overcrowding on boats is common in remote parts of Nigeria where the lack of good roads leaves many with no alternative routes.

According to Justin Uwazuruonye, who is in charge of Nigeria's National Emergency Management Agency operations in the state, rescuers had trouble finding the location of the capsizing for hours after Friday's tragedy struck. Such deadly incidents are increasingly becoming a source of concern in Nigeria, Africa's most populous country, as authorities struggle to enforce safety measures and regulations for water transportation. Most of the accidents have been attributed to overcrowding and the lack of maintenance of the boats, often built locally to accommodate as many passengers as possible in defiance of safety measures. Also, authorities have not been able to enforce the use of life jackets on such trips, often because of lack of availability or cost.

## The deal was approved by the State Department, with the DSCA providing the required notification to Congress on Friday.

## Natalie Walton claimed that she could not have been the accused as she is a non-smoker and has not visited the place where the offence took place.

Natalie Walton has been left confused ever since she received a fine for dropping a cigarette in a village, nearly 300 kilometres from her home -- a place she had not visited in over a decade. The fixed penalty notice (FPN), addressed to Ms Walton, was sent to her parent's house in Gravesend, Kent, accusing her of littering in nearby Swanscombe. The notice, dated November 12, stated a Dartford council officer witnessed her "committing an offence" which was also recorded on a body-worn camera, on October 29 and that she needed

to pay a £75 (Rs 8,082) fine or appeal it.

The notice added that Ms Walton could be taken to court and if convicted, she may have to pay a fine "up to & £2,500 (Rs 2,69,410) for littering". As neither the payment nor the written challenge has been received, you remain liable for the offence and prosecution proceedings in the magistrates' court may begin immediately against you," the notice added. Ms Walton claimed that she could not have been the accused as she is a non-smoker and has not visited the place where the offence took place, since she was a kid. Ms Walton added she had an alibi which proved she was not even in Kent at the time of the supposed offence. "I had not been to Kent for months. Dartford council were trying to fine me & #163;75 for something I was not even there to do. It is just a bit bizarre. I was accused of littering a cigarette in Swanscombe which is honestly more absurd, as I do not smoke and have never been to the address they



have claimed I was at," she was quoted as saying by KentOnline. "I feel like a complete victim of fraud. Someone must have stolen my identity or the council's security measures are so broken they will take a name and address with no proof." Watch: Man Eats Banana Artwork He Bought For Rs 52 Crore In Auction Evidence presented

As the controversy snowballed, Ms Walton produced her bank transactions, proving she was shopping in B&M and Tesco in Staffordshire at the time of the littering incident. After her protest and examination of the evidence, the Dartford Council said Ms Walton's FPN was cancelled. "When I saw the email, I was relieved and felt so much less stressed but I still have no idea how they thought it was me," she said.

The council, meanwhile, said the real accused had given the wrong address to the officers and pointed them towards Ms Walton. "Our enforcement team requested a current photo of Ms Walton and upon receiving it was compared to the person in the footage. It was found it was not Ms Walton and the FPN has now been cancelled."

The council is still investigating who the real offender is but was unable to provide a photo.

## NEWS BOX

## Not KL Rahul Aakash Chopra picks Axar Patel as DC's captain in IPL 2025

**New Delhi.** Former India cricketer Aakash Chopra picked Axar Patel as the captain of Delhi Capitals for IPL 2025. Aakash went for Axar over KL Rahul as DC's captaincy option. He felt that Axar had been really underrated and showcased confidence in him to run the team well. There could be a toss-up between Rahul and Axar for the captaincy option for the Capitals as they let go of Rishabh Pant ahead of the auction. DC managed to acquire the services of KL Rahul for Rs 14 crore in the IPL 2025 mega auction. Who will be the captain? Their situation is like KKR. It could be Axar Patel. I don't mind him being the captain. If you give me the option, I would say make Axar the captain. He is extremely underrated, a very mature, fantastic performer, and he will run the team very well. He is someone who will command respect," Aakash said on his YouTube channel.



Who can captain Capitals?

Aakash pointed out that Faf du Plessis also could be another captaincy prospect for the Capitals. He was bought by the franchise for Rs 2 crore after RCB released him. KL Rahul could be the other option. The third could be Faf du Plessis if they wish, but they might not play Faf from the start because they used the Right To Match card for Jake Fraser-McGurk. So I am thinking between Axar and Rahul but the management hasn't given any clarity yet. My vote goes towards Axar because his performances on this ground have been exceptional," he observed. Axar was retained by DC for Rs 16.50 crore ahead of the auction. He is also the only player left in DC's core squad from IPL 2020 final.

Aakash also called Rahul a steal buy for Rs 14 crore.

"When they couldn't take Shreyas Iyer and Rishabh Pant, they said they were getting KL Rahul for 14 crore. An absolute steal buy. Someone might say fair price, but I would say an absolute steal because it is a very small ground and has a flat pitch," he said.

## Border-Gavaskar Trophy: India brave rain and train to conquer pink-ball demons

**New Delhi.** India are leaving no stone unturned in their preparation to face the challenge of the pink-ball Test in Adelaide. Stand-in captain Jasprit Bumrah cautioned against complacency following the historic win in the series opener in Perth, stating that India would begin from zero ahead of the second Test. The team seems fully committed to embodying that mindset in their preparations. While preparations with the pink ball commenced during the Perth Test, India are maximising their opportunity to train in Canberra, where they will play a two-day warm-up match against Australia's



Board President's XI on Saturday and Sunday. India arrived in Canberra on Wednesday and held their first training session at the Manuka Oval on Friday, a day after meeting Australian Prime Minister Anthony Albanese at Parliament House. The focus of the session was entirely on acclimatising to the pink ball. Not even a steady spell of drizzle could deter India from training on Friday at the Manuka Oval.

Assistant coach Abhishek Nayar, who supervised India's preparations in the absence of Gautam Gambhir, emphasised the players' determination to optimise their training time in the lead-up to the second Test, which starts on 6th December.

"Part of coming to Australia is that you have to be mentally tough. The keenness of the players you saw batting is a testament to that.

"A lot of times when there's rain, groundsmen are hesitant to open up the wickets because they're unsure how the ball will behave. But seeing the players eager to go out and face the new ball, fast bowlers, and spinners was a positive sign. In Australia, you generally expect good conditions. It was encouraging to see the team trying to get accustomed.

## Premier League: Leicester City appoint Ruud van Nistelrooy as new head coach

**Former Manchester United forward Ruud van Nistelrooy was appointed as the new manager of Leicester City, the Premier League club announced on Friday.**

**New Delhi.** Leicester City have announced the appointment of former Manchester United striker Ruud van Nistelrooy as their new head coach. The 48-year-old Dutchman has signed a contract running until the end of the 2027 season, replacing Steve Cooper, who was dismissed following a 2-1 defeat to Chelsea last Sunday. Van Nistelrooy will attend Leicester's Premier League match against Brentford on Saturday, although first-team coach Ben Dawson will lead the

team on the day. The new manager is set to officially begin his duties the following day, with his first match in charge scheduled for Tuesday against West Ham United. In his first statement as Leicester boss, Van Nistelrooy expressed enthusiasm about the role: "I'm proud, I'm excited," Van Nistelrooy said in a statement. "Everybody that I speak to about Leicester City Football Club is enthusiastic. They have great stories about the quality of the people working at the club, the supporters and, of course, the recent history of the club is impressive. I'm excited to start and to get to know everyone and give everything I can for the football club." The club's chairman, Aiyawatt Srivaddhanaprabha, welcomed the Dutchman, highlighting his winning mentality and experience: "It is my pleasure to welcome Ruud to Leicester City," chairman Aiyawatt



Srivaddhanaprabha said. "He joins a club with a rich history, passionate supporters, and a talented squad, and we are all excited to see the impact he can have as we embark on this new chapter together. "Ruud's experience,

knowledge, and winning mentality will undoubtedly bring great value to us, and we look forward to supporting him in achieving success for our fans and our club." Van Nistelrooy's managerial career includes a stint at PSV Eindhoven, where he won the Dutch Cup during the 2022-23 season before stepping down. Most recently, he served as interim manager at Manchester United, securing three wins and a draw in four matches before being succeeded by Ruben Amorim.

His appointment marks a significant chapter for Leicester City, a club that enjoyed a fairy-tale Premier League title win in 2015-16 but experienced relegation in 2023. They quickly bounced back to the top flight under Enzo Maresca, who later joined Chelsea. Currently 16th in the Premier League and one point above the relegation zone, Leicester face a critical period as they seek stability under their new manager.

## Manchester City boss Pep Guardiola feels past success keeping sack questions at bay

**New Delhi.** Pep Guardiola, one of the most successful managers in modern football, has admitted he is under pressure to turn Manchester City's fortunes around after a rare slump in form. The reigning Premier League champions are on a six-game winless streak, with five losses and one draw across all competitions, ahead of their high-stakes clash with Liverpool at Anfield on Sunday.

Despite signing a two-year contract extension last week that ties him to the Etihad Stadium until 2027, Guardiola acknowledges that his position is not untouchable. However, the Spaniard credits the unprecedented success he has brought to the club—six Premier League titles in seven years and 18 trophies overall—



for giving him a cushion from the sack. "At this football club you have to win and if you don't win, you will be in trouble," Guardiola told a news conference on Friday.

"I know the people say: 'Why is Pep not in trouble, why is Pep not sacked?' What we have done the last eight years is why I have this margin. What's for sure is I want to stay. I want to do it. But the moment I feel I am not positive for the club another one will come. It has to be." Guardiola stressed his determination to rectify the team's form, but admitted it is a daunting challenge. "I have to find a solution. I'm trying every day. I have to prove myself now, just like I have always done," he said. City's recent struggles have left them eight points behind Premier League leaders Liverpool, and a defeat on Sunday would widen the gap to 11 points. Guardiola downplayed title aspirations at this stage, describing them as "unrealistic" given the team's poor run. "In the situation we are in, it is not realistic to think about big targets," Guardiola said. "The focus is on the next game and regaining momentum. Thinking about winning the title in November or December has never been realistic, even in good situations.

## Kane Williamson becomes 1st ever New Zealand batter to complete 9000 Test runs

**New Delhi.** Former New Zealand captain Kane Williamson became the first ever New Zealand batter to complete 9000 Test runs. He achieved this feat on Day 3 of the 1st Test between New Zealand and England at the Hagley Oval in Christchurch. Williamson also became the third-fastest batter to do so. Williamson achieved the huge feat during New Zealand's 2nd innings in the 18th over, bowled by Gus Atkinson, as he received a huge round of applause from the crowd. Australia's Steve Smith is the fastest batter to achieve the record feat, followed by Brian Lara. Williamson became the third-fastest batter alongside Kumar Sangakkara and Younis Khan to achieve the feat in 103 matches. As England continued to dominate the proceedings in the 1st Test, Williamson came to New Zealand's rescue. In the 2nd innings, Chris Woakes provided England with a solid start, dismissing both New Zealand openers early. Tom Latham edged one to the slip cordon, while Devon Conway



mistimed a pull shot to wide mid-on, leaving the hosts in a tricky position. However, Kane Williamson and Rachin Ravindra steadied the innings with a composed partnership, ensuring no further damage.

England's bowlers maintained discipline, offering very few loose deliveries, keeping

the pressure on the home side. The contest remains evenly poised as Williamson and Ravindra focus on rebuilding the innings.

Fastest to 9000 Test runs (by matches taken)

99 - Steve Smith

101 - Brian Lara

103 - Kumar Sangakkara

103 - Younis Khan

103 - Kane Williamson

Williamson's brilliant return

Former New Zealand captain Kane Williamson made a return to the Test side as if he had never left. On Day 1 of the 1st Test between England and New Zealand, the star Kiwi player scored a magnificent 93, braving the tough conditions.

However, Williamson missed out on a well-deserving hundred as he departed for 93, just seven runs short of the three-figure mark. This was the first time since 2018 when Williamson departed in, his nervous nineties and could not complete his hundred in Test cricket.

## Indian pacers review bowling with pink ball before AUS Test: Tough for batters

➔ **The Indian speedsters opened up about their experiences of bowling with the pink ball ahead of the 2nd Test vs Australia. India lead the 5-match series 1-0 vs Australia.**

**New Delhi.** The Indian pacers gave a review of bowling with the pink ball ahead of the 2nd Test vs Australia. India will face Australia in a pink-ball Test at the Adelaide Oval, starting December 6. Before the 2nd Test, India prepared for a practice game vs Australia Prime Minister's XI at the Manuka Oval. However, Day 1 of the two-day practice contest was delayed due to rain in Canberra. In a video released by the BCCI on their social media, the Indian pacers admitted the uncertain nature of the pink ball and how it could pose a tough challenge



for the batters.

"I think when we picked up the pink ball, it was slightly bigger than the red ball. The seam, the little bit that I know, is tied up, which makes it heavier, and it does give a lot more off the seam. For me, it is going to do more than the red ball, in terms of shine and also when the lights come on. Also takes away for reverse swing. As bowlers, we are also learning a few more sessions to go

before the game," Prasidh Krishna said in the video. Watch the video here "The seam is not visible very quickly. Some batters are there who bat while seeing the sign. But the pink ball doesn't show from which side shine is there. This is coming off after skidding," Mukesh Kumar added.

India have played only 4 pink-ball Tests and have managed a win in three of those. Their only loss came against Australia in 2020 when the team was bundled out for their lowest Test score of 36

runs. "Its tough for the batters, there is a lot of bounce from the pink ball," Akash Deep said.

Yash Dayal also opened up about bowling to India's veterans Virat Kohli and Rohit Sharma. "I have bowled to Virat and Rohit bhai, and I feel that the ball is not swinging a lot, the seam position has to be straight. If you keep the line and length intact, the ball will do things on its own," Yash Dayal said.

## Imran Patel, 35-year-old cricketer, dies of cardiac arrest at Pune stadium

➔ **Imran Patel, a 35-year-old professional cricketer, died on Wednesday night after suffering a massive cardiac arrest during a league match at Pune's Garware Stadium. While walking back to the pavilion due to chest and arm pain, the opening batsman suddenly collapsed, shocking players and spectators alike.**

**New Delhi.** Imran Patel, a 35-year-old professional cricketer, died after suffering a fatal cardiac arrest during a local league match at the Pune Stadium on Wednesday night. Patel, an all-rounder, collapsed while walking back to the pavilion after

complaining of chest and arm pain. Patel, opening the batting for his team, had faced only a few overs when he signalled discomfort and informed the on-field umpires of pain in his left arm and chest. With their consent, he began to leave the field but collapsed unexpectedly just moments later. The incident, captured live as the match was being streamed, prompted immediate action from teammates and officials, who rushed him to a nearby private hospital. Sadly, he was pronounced dead on arrival, with doctors confirming a massive cardiac arrest as the cause. The cricketing fraternity and the local community have been left in shock by Patel's sudden demise. Known for his exceptional fitness and active presence on the field, his demise has sparked conversations about the increasing incidents of cardiac-related deaths in sports. "He didn't have history of any medical condition," said



Naseer Khan, another cricketer who was part of the match, was quoted as saying by the Times of India "He was in good physical condition. In fact, he was an allrounder who loved the game. We're all still in shock." Imran is survived by his wife and

three kids, including a four-month-old daughter. Besides managing a local cricket team, Patel owned a real estate business and a juice shop, making him a respected and loved figure in the area. This tragic incident comes just months after another cricketer, Habib Shaikh, passed away under similar circumstances during a match in Pune. While Shaikh had a known history of diabetes, Patel's sudden cardiac arrest, despite his apparent good health, has left many baffled.

Tributes have poured in from teammates, fans, and prominent figures in the local cricketing community, all mourning the loss of a player and individual who embodied passion and commitment. A condolence meeting is being planned to honor Patel's memory, with calls for increased awareness and preventive measures for athletes' health and safety.

# Mouni Roy

**Gets Trolled For Bold Red Carpet Look In Thigh-High Slit Outfit: 'She Is Uncomfortable'**



Mouni Roy, known for her impeccable style, made a striking appearance at the GQ Men of the Year event. However, her bold choice of attire became a topic of heated discussion among netizens. The actress graced the red carpet in a daring thigh-high slit outfit with a sheer gold skirt and geometric metallic accents adorning the bodice. The ensemble featured a strapless design that showcased her toned frame, paired with statement earrings and stiletto heels. Her sleek ponytail and dramatic eye makeup added to the overall glam factor. While Mouni confidently posed for the paparazzi, her video quickly went viral, sparking divided opinions online.

Though her fans lauded her confidence, many on social media were unimpressed with the look. One user commented, "Worst dress." Another wrote, "She looks so uncomfortable in that." A third chimed in, "She is not slaying it at all... She is too uncomfortable with her dress." Some also compared her look to Priyanka Chopra's recent fashion choices, with one remarking, "Copied Priyanka Chopra's dress." Others expressed disappointment, saying, "Mouni used to look good earlier... I don't know why she's wearing such hopeless clothes."

Despite the online trolling, Mouni Roy is no stranger to experimenting with her style and is often applauded for taking risks. Mouni Roy began her career with the popular television series *Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi* and rose to fame with her role in *Naagin*, which solidified her position as one of the leading actresses in Indian television. Transitioning to films, she made her Bollywood debut in *Gold* alongside Akshay Kumar and has since appeared in notable projects like *Brahmastra: Part One - Shiva*. Recently, Mouni was seen in the web series *Sultan of Delhi* and the drama series *Showtime*. She also co-hosted the Indian adaptation of *Temptation Island* with Karan Kundrra, showcasing her versatility beyond acting.

# Shraddha Kapoor

**Arjun Kapoor Share Hug At Reunion; Half Girlfriend Fans Say 'Our Riya And Madhav'**

Shraddha Kapoor and Arjun Kapoor brought back a wave of nostalgia as they reunited on the red carpet at the GQ Men of the Year event. The duo, who shared sizzling chemistry in their 2017 hit *Half Girlfriend*, delighted fans with their warm camaraderie. As Shraddha posed for the paparazzi in a stunning black mini dress paired with white thigh-high boots and a glittery bag, Arjun arrived in style, donning an all-black ensemble. The two greeted each other with a friendly hug and a cheek kiss, their bond evident even after years. The moment didn't end there; they shared a lighthearted chat on the red carpet before posing together for the cameras, flashing their brightest smiles. Fans of *Half Girlfriend* were thrilled to see "Riya Somani" and "Madhav Jha" together again. Social media quickly buzzed with excitement, with comments flooding in. "Riya Somani & Madhav Jha from *Half Girlfriend*! My favorite movie," wrote one fan. Another added, "They make us cry every time. Such a nice pair!" The reunion brought back memories of their on-screen romance, leaving fans emotional and asking for another collaboration.



**What's Next for Arjun and Shraddha**

Arjun Kapoor is currently riding high on the success of *Singha Again*,

where his portrayal of Danger Lanka has received rave reviews. Expressing gratitude, he shared a heartfelt note on Instagram, saying, "Ending November on a high note with a heart full of gratitude for all the love you've shown to *Singha Again*"

Shraddha Kapoor, meanwhile, is basking in the success of *Stree 2*. While she won't play the lead in the upcoming *War 2*, reports suggest she might join Hrithik Roshan and Jr NTR for a special song in the film. Shraddha and Arjun's red-carpet reunion has not only delighted *Half Girlfriend* fans but also reignited hopes of seeing this charming duo on screen once more.."



**Lin Laishram's Anniversary Wish For Hubby Randeep Hooda Is Adorable: 'Classmate From Piano Lesson'**



Randeep Hooda and Lin Laishram are among the loved couples in B-town. Last year, they tied the knot in Imphal, Manipur, following Meitei rituals, in presence of their near and dear ones. Their traditional wedding ceremony quickly caught the attention of the people on the internet, who praised the actor for embracing his bride's culture with his heart. They also complimented Lin for being connected to her roots. And guess what? It's been a year since Randeep and Lin have gotten married. Today, November 29, the couple is celebrating their first marriage anniversary. To mark the special occasion, Lin shared a wholesome picture featuring her husband on Instagram Stories.

She posted a picture of the two playing the piano, with just their hands visible. Lin wished her husband on their first anniversary, saying, "Happy 1st anniversary to my classmate from piano lesson." Randeep re-shared the picture on his Instagram Stories with just two red heart emojis. This year, Randeep and Lin celebrated their first Diwali as husband and wife. And the special occasion surely needed to be commemorated on social media. On November 1, the couple shared a collaborative post on Instagram, where they were dressed in vibrant ethnic outfits. While Randeep opted for a yellow kurta and white pyjama, Lin twinned with her husband in a yellow Anarkali suit set. In the caption of the post, Randeep wrote, "1st Diwali as Mr. & Mrs. From us to you, #HappyDiwali."

Likewise, Lin also celebrated her first Karwa Chauth, although Randeep couldn't be by her side. But that did not dim her festive fervour. On October 20, she shared a post on her Instagram account highlighting how she listened to Randeep's sweet request of skipping the fast for him. Lin posted two pictures, one of which showed her dressed in a gorgeous red sequin saree paired with a matching blouse and another that showcased all the snacks she was planning to munch on while binge-watching. In the caption, she wrote, "Happy First #KarwaChauth Husband Since you said no fasting, I've got a basket full of snacks, Netflix queued up, and my dance moves ready! #KarwaChauthVibes."

**'Actors Cross Boundaries During Kiss': Sayani Gupta On Intimate Scenes**



Sayani Gupta, known for her roles in films and shows like *Margarita with a Straw*, *Inside Edge* and *Four More Shots Please*, has never shied away from intimacy on screen. Sayani recently shared an unsettling experience about filming intimate scenes during an interview with Radio Nasha. The actress recalled an incident when a co-star tried to linger on with a kiss even after the director had called for a 'cut.' She also highlighted the importance of having intimacy coordinators on set, a practice she first encountered during *Margarita with a Straw* in 2013.

Discussing her experiences, Sayani remarked, "I could write a book about intimacy and I am grateful that intimacy coordinator is a profession that has come to India finally." She emphasised that while intimate scenes are often highly technical and straightforward to execute, they can sometimes lead to uncomfortable situations due to inappropriate behaviour. The actress recounted an incident where a fellow actor crossed boundaries by continuing to kiss her after the director had called her "cut." She described the moment as unsettling and an example of indecent behaviour, adding that such actions, though subtle, are unacceptable. She did not name the co-star though.

With the growing presence of intimacy coordinators in India, Sayani Gupta further opened up about the challenges actors face on set, recalling a particularly vulnerable moment during the outdoor shoot of *Four More Shots Please* in Goa. In an interview with Radio Nasha, she described having to lie on the beach in a tiny dress while surrounded by a large crowd. "I felt so vulnerable at that point because some 70 men were standing in front of me. There was not one person on set who was next to me, there wasn't even much staff also... with 800 extras," she shared. The actress expressed her discomfort and the lack of support in such situations. "I was like, 'I just need one person to be with a shawl,'" she added, highlighting how actors' safety and comfort are often overlooked on sets. She pointed out that this lack of consideration isn't limited to intimate scenes but can occur in various scenarios where personal boundaries are compromised.

